दैनिक
कारखाने का सफर
मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

वर्ष 5, अंक 290 | भोपाल, सोमवार 28 अप्रैल, 2025 | वैशाख शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा, 2082 | मूल्य 2 रुपए

संपादक की कलम से
–राहुल कौशिक, समाचार संपादक

पाकिस्तान का पतनः दूसरों की प्रगति से जलने का नतीजा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सफलता तब मिलती है जब कोई देश अपनी क्षमताओं, संसाधनों और नागरिकों पर विश्वास करके आगे बढ़ता है।

लेकिन जब कोई राष्ट्र अपनी असफलताओं के लिए दूसरों को दोषी ठहराता है और उनकी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करता है, तो उसका पतन निश्चित हो जाता है।

पाकिस्तान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है — एक देश जिसने अपनी ऊर्जा अपने विकास पर नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने में खर्च की और आज खुद एक असफल राष्ट्र बनने की कगार पर खड़ा है।

1947: एक नया देश, नए सपने : जब पाकिस्तान 1947 में अस्तित्व में आया, तब उसके सामने भी वही अवसर थे जो भारत के सामने थे।

उसी समय आज़ादी मिली थी, वही चुनौतियाँ थीं, और वही अवसर।

लेकिन जहाँ भारत ने लोकतंत्र, शिक्षा, विज्ञान और उद्यमिता पर भरोसा कर प्रगति की राह पकड़ी, वहीं पाकिस्तान ने कट्टरपंथ, सेना के वर्चस्व और भारत-विरोध को अपनी राष्ट्रीय नीति बना लिया।

भारत का विकास, पाकिस्तान की जलन : भारत ने जैसे-जैसे कृषि, उद्योग, विज्ञान, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में प्रगति की, पाकिस्तान की जलन बढ़ती गई। पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान ने अपनी जनता को भारत के खिलाफ नफरत से भरने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारत के खिलाफ "हजार साल तक लड़ने" के नारों ने वहाँ की नई पीढ़ी के दिमाग में भी जहर भर दिया। परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने अपने संसाधन खुद को सशक्त करने में नहीं, आतंकवाद पालने और सीमा पार दखल देने में खर्च कर दिए।

आतंकवाद को अपनाने की भारी कीमत : भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तान ने आतंकवादी गुटों को पाला, प्रशिक्षित किया और उन्हें सीमा पार भेजा। लेकिन यह रणनीति अब उलटी पड़ चुकी है। आज वही आतंकी संगठन पाकिस्तान के भीतर हमले कर रहे हैं, और पाकिस्तान खुद अपने ही बनाए जाल में फंस चुका है। बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा जैसे इलाके अब अलगाववाद की आग में जल रहे हैं।

आर्थिक पतनः खुद की गलती का नतीजा– भारत आज दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि पाकिस्तान भुखमरी, बेरोजगारी और दिवालियापन से जूझ रहा है। पेट्रोल, आटा, दवाइयां जैसी बुनियादी चीजों के लिए पाकिस्तान दुनिया के सामने हाथ फैला रहा है।

आईएमएफ से कर्ज लेकर भी पाकिस्तान अपने वित्तीय संकट को संभालने में असफल रहा है। जब आप अपने संसाधनों का उपयोग विकास में नहीं, बल्कि साजिशों में करते हैं, तो यही अंजाम होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगीः आज दुनिया पाकिस्तान को एक "आतंक समर्थक विफल राष्ट्र" के रूप में देखती है। चीन और अरब देशों जैसे परंपरागत सहयोगी भी अब पाकिस्तान से दूरी बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की बात कोई गंभीरता से नहीं लेता, जबकि भारत G20 जैसे मंचों का नेतृत्व कर रहा है और वैश्विक शक्ति बन रहा है।

भविष्यः आत्ममंथन या पूर्ण पतन : पाकिस्तान के पास अब भी एक रास्ता है — वह अपनी सोच बदले, आतंकवाद को त्यागे, लोकतंत्र और विकास की दिशा में काम करे। लेकिन अगर उसने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान एक "असफल राष्ट्र" के रूप में इतिहास के पन्नों में दफन हो जाएगा।

निष्कर्ष : यही होता है जब कोई देश अपनी सफलता पर ध्यान नहीं देता, बल्कि दूसरों को गिराने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देता है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ नफरत की राजनीति में अपना भविष्य दांव पर लगा दिया। आज भारत दुनिया में सम्मान पा रहा है, और पाकिस्तान भीख की स्थिति में आ गया है — यही इतिहास का सबसे बड़ा न्याय है।

अमेरिका भारत और पाकिस्तान के साथ संपर्क में है, `जिम्मेदार समाधान' की दिशा में काम करने का आग्रह किया

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

संयुक्त राज्य अमेरिका ने रविवार को भारत और पाकिस्तान दोनों से आग्रह किया कि वे "जिम्मेदार समाधान" की दिशा में काम करें। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी

संयुक्त राज्य अमेरिका ने रविवार को भारत और पाकिस्तान दोनों से आग्रह किया कि वे "जिम्मेदार समाधान" की दिशा में काम करें। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को ईमेल के ज़रिए दिए गए बयान में बताया, "यह एक उभरती हुई स्थिति है और हम घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के संपर्क में हैं।" सार्वजनिक रूप से, अमेरिकी सरकार ने हमले के बाद भारत के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन पाकिस्तान की आलोचना नहीं की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद तनाव बढ़ने पर वह दोनों सरकारों के साथ कई स्तरों पर संपर्क में है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इस नृशंस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक हमले की घोषणा की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले के पीछे के आतंकवादियों और साजिशकर्ताओं की पहचान करने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें दंडित करने की कसम खाई। पाकिस्तान ने जवाब में जवाब दिया और स्वतंत्र जांच की मांग की, जबकि उसके मंत्री ने खुले तौर पर भारत को धमकियां दीं। मौजूदा तनाव को देखते हुए अमेरिका ने दोनों देशों से "जिम्मेदार समाधान की दिशा में काम करने" का आग्रह किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को ईमेल के ज़रिए दिए गए बयान में बताया- यह एक उभरती हुई स्थिति है और हम घटनाक्रमों पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के संपर्क में हैं,प्रवक्ता ने कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका सभी पक्षों को एक ज़िम्मेदाराना समाधान की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।" विदेश विभाग के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि वाशिंगटन "भारत के साथ खड़ा है और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है," राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों के समान ही टिप्पणियाँ दोहराते हुए।

पाकिस्तान ने कुपवाड़ा और पुंछ में LOC पर फिर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के विपरीत इलाकों को निशाना बनाकर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। जानकारी के अनुसार, यह घटना 27 और 28 अप्रैल की मध्यरात्रि को हुई। हालांकि, भारतीय सेना ने आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए तुरंत जवाब दिया। सेना के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह लगातार चौथी रात थी जब पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के

गोलीबारी की। यह गोलीबारी ऐसे समय में की जा रही है जब पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत तथा पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ गया है। सेना के एक प्रवक्ता ने कहा, ''नियंत्रण रेखा के पार स्थित पाकिस्तानी सेना की चौकियों की ओर से 27-28 अप्रैल की मध्यरात्रि को कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के निकटवर्ती इलाकों में बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने त्वरित और प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आपको बता दे कि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति है। पहलगाम हमले के बाद पूरा देश आक्रोश में सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए सभी पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने का निर्देश जारी कर दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, 24 अप्रैल से शुरू होकर चार दिनों में नौ राजनयिकों और अधिकारियों सहित 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा बिंदु के माध्यम से भारत छोड़ चुके हैं क्योंकि पड़ोसी देश के 12 श्रेणियों के अल्पकालिक वीजा धारकों के लिए बाहर निकलने की समय सीमा रविवार (27 अप्रैल) को समाप्त हो रही थी। इस बीच, उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों में पंजाब में स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से 14 राजनयिकों और अधिकारियों सहित कुल 850 भारतीय पाकिस्तान से लौटे हैं। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और एक दर्जन से अधिक अन्य घायल हो गए। यह 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक रहा है। हमले के बाद से सुरक्षा बढ़ा दी गई है, तथा क्षेत्र से प्राप्त दृश्यों में आमतौर पर चहल-पहल वाले इस पर्यटक क्षेत्र की सड़कें सुनसान दिखाई दे रही हैं।

भोपाल को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और खास शख्सियतों का साक्षात्कार हर सोमवार को—(तीसरी श्रृंखला

प्रदेश की राजधानी की पहचान गैस त्रासदी के बाद अब मंत्री कृष्णा गौर की कार्यशैली से भी है

राजधानी की सबसे पहली महिला विधायक और शहर में सबसे ज्यादा फालोअर्स के साथ 90 फीसदी लोग उनकी कार्यशैली को पसंद करते हैं। पूरे देश के विभिन्न प्रदेशो में पार्टी के कई उत्तरदायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाहन करने के अलावा भोपाल की पहली महिला विधायक भी हैं। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने अपने रोजाना जनता से मिलना ओर उनकी समस्याओं को हल करवाने के अलावा महिलाओं की सबसे पसंदीदा नेत्री हैं। उनके उच्च व्यक्तित्व और सादगी के कारण पूरे भोपाल के लोग अपनी समस्या लेकर जाते हैं और वो हर व्यक्ति की समस्या अपने परिवार के सदस्य की भांति सुनती हैं...

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल की महापौर रह चुकी मध्य प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर को अब किसी पहचान की जरूरत नहीं है। भाजपा ने उनकी कर्तव्य पारायणता और निष्ठा के साथ ईमानदारी व शानदार वक्ता के कारण देश के कई प्रदेशों में दौरे करने और चुनावों में प्रचार के लिए भेजा और वहां से पार्टी जीती भी। यही कारण है कि भोपाल का भी नाम उनके कारण रोशन हुआ। उनके द्वारा विदेशो में भी कई कार्यक्रमों में शिरकत कर भोपाल का नाम रोशन किया गया। वह 2018 में मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में गोविंदपुरा से मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए चुनी गईं । उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार को 46,359 मतों से हराया। वह भोपाल से विधायक चुनी जाने वाली पहली महिला हैं। कृष्णा गौर एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। उनका जन्म 26 सितंबर 1967 को इन्दौर के प्रतिष्ठित व परंपरागत भारतीय परिवार में हुआ था। उन्होंने इंदौर विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में एमए की डिग्री हासिल की। इनका राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी है। कृष्णा गौर का विवाह दिग्गज राजनेता बाबूलाल गौर के बेटे पुरूषोत्तम गौर से हुआ था ।

2005 में उन्हें मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वह भोपाल की महापौर भी रह चुकी हैं। वह 2018 मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में गोविंदपुरा से मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए चुनी गईं । वह भोपाल से विधायक चुनी जाने वाली पहली महिला हैं। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़कर जनकल्याण के कार्यो में सक्रिय रूप से भागीदारी की। महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सरोकार के मुद्दों के अभियानों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कृष्णा गौर को सेवा भारती, संत सेवा आश्रम भोपाल एवं कई संस्थाओ द्वारा सामाजिक कार्यो के लिए सम्मान मिल चुके हैं।

(अगर आपको भी किसी प्रकार की जानकारी चाहिए तो वो आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, इसके लिए हमारे व्हाट्अप नंबर पर 9926288166 पर संपर्क कर सकते हैं)

(अगले सोमवार को पढ़ें एक और शख्सियत के बारे में)

मन की बात में पीएम मोदी ने पहलगाम की कड़ी निंदा की, कहा- दोषियों को सख्त जवाब दिया जाएगा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने देश के हर नागरिक को गहरा दुख पहुंचाया है। मोदी ने कहा कि कश्मीर में शांति की वापसी हो रही थी, जिसे जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों ने अपनी साजिश से बाधित करने का प्रयास किया।

'मन की बात' में पीएम मोदी ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कहा, 'मन में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुँचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वो किसी भी राज्य का हो, वो कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वो उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे ऐहसास है, हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।'

पीएम ने आगे जम्मू-कश्मीर की प्रगति के बारे में बात करते हुए कहा, 'पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक रौनक थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया।'

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकी और उनके आकाओं का मकसद कश्मीर को फिर से अशांत करना है, जिसके लिए वे बड़ी साजिशें रचते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश की एकता और 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता हमारी सबसे बड़ी ताकत है, जो हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है।

देश के लोगों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए पीएम ने कहा, 'हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपना संकल्प और मजबूत करना होगा। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देना होगा। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है।' पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कई देशों ने देश के साथ एकजुटता दिखाई है। उन्होंने कहा, 'दुनियाभर से संवेदनाएं आ रही हैं, वैश्विक नेताओं ने मुझे फोन किया है, पत्र लिखे हैं और संदेश भेजे हैं। सभी ने इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।' पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा विश्व 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा और हमले के दोषियों को सख्त से सख्त जवाब दिया जाएगा।

आरसीबी ने फतह किया दिल्ली का किला, दिल्ली कैपिटल्स से चुकाया हिसाब

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

आईपीएल 2025 का 46वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच खेला गया। जिसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस मुकाबले को 9 गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट से जीत लिया। टॉस गंवाकर दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाए। जिसके जवाब में आरसीबी ने 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। विराट कोहली और कृणाल पंड्या के बीच चौथे विकेट के लिये 84 गेंद में 119 रन की साझेदारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू आईपीएल के मैच में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

जीत के लिये 163 रन के लक्ष्य के जवाब में आरसीबी ने एक समय 26 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद 18.3 ओवर में चार विकेट पर 165 रन बनाये।आरसीबी अपने मैदान से बाहर लगातार छह मैच जीतने वाली आईपीएल के इतिहास में पहली टीम बन गई। खचाखच भरे अरूण जेटली स्टेडियम पर 'कोहली कोहली' के शोर के बीच विराट ने पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए 47 गेंद में चार चौकों की मदद से 51 रन बनाये जबकि कृणाल

ने 47 गेंद में नाबाद 73 रन बनाये जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल थे। दिल्ली के गेंदबाज कुछ खास नहीं कर सके और खराब फील्डिंग और कैच टपकाने का भी उसे खामियाजा भुगतना पड़ा। आरसीबी को आखिरी दो ओवर में 17 रन चाहिये थे और ऐसे में मिचेल स्टार्क की जगह मुकेश कुमार से 19वां ओवर कराना भी हैरानी भरा रहा। टिम डेविड ने तीन गेंदों पर ही खेल समाप्त कर दिया।इस जीत के बाद आरसीबी 10 मैचों में 14 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली नौ मैचों में 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आखिरी ओवरों में ट्रिस्टन स्टब्स के 18 गेंद में 34 रन और केएल राहुल के 41 रन की मदद से आठ विकेट पर 162 रन पर बनाये।

आरसीबी के लिये भुवनेश्वर ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि जोश हेजलवुड को दो विकेट मिले जिससे इस सत्र में सर्वाधिक 18 विकेट लेकर अब परपल कैप उनके पास है। दिल्ली के बल्लेबाज अरूण जेटली स्टेडियम पर अपने तीसरे मैच में खुलकर खेल नहीं सके। राहुल ने सर्वाधिक 41 रन बनाये लेकिन इसके लिये 39 गेंदें खेली और एक भी छक्का नहीं लगा सके। जवाब में आरसीबी की शुरूआत बहुत खराब रही और पावरप्ले के छह ओवर में उसके तीन बल्लेबाज 35 रन के स्कोर पर पवेलियन में थे। अक्षर ने तीसरे ओवर में दो विकेट लेकर आरसीबी को अच्छी शुरूआत नहीं करने दी।

जैकब बेथेल (12) पहले आउट हुए जिनका कैच बैकवर्ड स्क्वेयर लेग में आगे की ओर डाइव लगाकर करूण नायर ने लपका। इसी ओवर की चौथी गेंद पर देवदत्त पडिक्कल (0) बोल्ड हो गए। अगले ओवर में कप्तान रजत पाटीदार के रन आउट होने से आरसीबी को झटका लगा। तीन विकेट सस्ते में गिरने के बाद विराट और कृणाल ने पारी को संभाला। कृणाल ने दसवें ओवर में आठ ओवर बाद आरसीबी पारी का दूसरा छक्का दुष्मंता चामीरा को लगाया।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

संस्कृति ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह के साथ पुलवामा में हताहत हुए पुण्य आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कार्यक्रम का शुभारंभ शांतिकुंज हरिद्वार प्रतिनिधि आदरणीय श्री जगदीश चंद्र कुलमी जी , श्री सुधीर श्रीपद, श्री राजेश पटेल, श्री प्रभाकांत तिवारी , नायक जी एस आर चौधरी, के एल पटेल द्वारा दीप प्रजलन के साथ हुआ प्रथम सत्र में प्रांतीय गोष्ठि हुई जिसमे कुलमी जी ने भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रति योगिता परीक्षा को देश में मध्य प्रदेश को प्रथम स्थान पर लाने गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में की प्रदेश स्तरीय पुरस्कार वितरण एवं गोष्ठि हुई , परीक्षा में उत्तीर्ण प्रथम द्वितीय प्रति भागियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र वितरण किया एवं सहभागी संस्थाओं के प्राचार्य और कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। इसमें शांतिकुंज से पधारे आदरणीय श्री सुधीर श्रीपद, श्री कुलमी जी का विशेष मार्गदर्शन देते हुए कहा कि गायत्री परिवार द्वारा आयोजित परीक्षा को सुव्यस्थित,प्रामाणिकता के सम्पन्न करने के साथ विस्तार कर मध्य प्रदेश की देश में प्रथम स्थान पर लाना है। श्री सुधीर श्रीपाद ने परीक्षा के सफल सचान के सूत्र बताते हुई विस्तार के तरीके प्रयोग बताएं। सभी जिलों से आए हुए सम्माननीय समन्वयक अपने अनुभव हम सभी से साझा करते हुए, और भविष्य की कार्य योजनाओं को किस प्रकार तीव्र गति से आगे बढ़ाएं अपने सुझाव हम सभी को प्रेषित करते हुए दिव्य संदेश दिए गए।।। सभी गायत्री परिवार के भाई बहनों एवम शिक्षकों ने सामुहिक संकल्प लिया की आने वाले वर्ष में लगभग सभी छात्रों को इस विषेश शिक्षाप्रद परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम के अंतिम पुलमामा में मारे गए निर्दोष लोगों को 2 मिनट का मोन जाप कर सामूहिक विन्रम श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने वार्ड 70, बिजली नगर कॉलोनी में पार्क समेत विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 70, बिजली नगर कॉलोनी में पार्क निर्माण समेत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन समारोह के अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2008 से पूर्व नरेला विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। लेकिन विगत वर्षों में नरेला ने अभूतपूर्व विकास यात्रा तय की है। आज प्रत्येक घर में नर्मदा जल की उपलब्धता, पक्की सड़कों का जाल, आदर्श ड्रेनेज सिस्टम और उच्च गुणवत्ता के थीम पार्क जैसे अनेक विकास कार्य क्षेत्रवासियों को समर्पित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विकास का यह सिलसिला आगे भी तेजी से जारी रहेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वार्डवासी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।**रहवासियों ने दी आत्मीय शुभकामनाएँ और जताया आभार** : बिजली नगर कॉलोनी स्थित शासकीय विद्यालय के सामने आयोजित समारोह में क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री सारंग का भव्य स्वागत किया। विभिन्न स्वागत मंचों से पुष्पवर्षा कर और ढोल-ताशों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया गया। इस मौके पर मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्रवासियों के प्रेम एवं समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी प्रेरणा शक्ति है।

दादाजी धाम मंदिर में श्री हनुमान चालीसा, सामूहिक गीता पाठ किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल में माह के प्रत्येक अंतिम रविवार को हनुमान चालीसा सामूहिक गीता पाठ किया गया।अवसर पर दादाजी गुरुदेव के भक्त एवं अम्बिका आश्रम बालीपुर के सदगुरु श्री गजानन महाराज के परम भक्तो ने श्री शंकर पार्वती संवाद श्री गुरु गीता का भाव पूर्ण पाठ एवं हनुमान चालीसा पाठ किया गया। गुरु गीता पाठ उपरांत गुरुगीता की सुमधुर आरती की। इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों ने पुण्य लाभ प्राप्त किया।

सद्भाव भाईचारे का खेल है ग्रामीण क्षेत्र में कबड्डी प्रति स्पर्धा - राजेश महतो

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे लोकप्रिय यदि कोई प्रति स्पर्धा है तो वह है कबड्डी प्रति स्पर्धा इससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और सद्भाव के साथ सभी समाज के लोग एक जुट होकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं और देखते हैं,यह उद्गार घोड़ाडोगरी मंडल के भाजपा अध्यक्ष राजेश महतो दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के गांव मेहकार में संबोधित करते हुए व्यक्ति किया। उन्होंने बताया कि कबड्डी एक पारंपरिक खेल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय है। यह खेल न केवल मनोरंजन का साधन है,बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य और सामुदायिक एकता को भी बढ़ावा देता है। कबड्डी खेलने से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, जैसे कि

ताकत, गति और लचीलापन। कबड्डी खेलने से ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक एकता को बढ़ावा मिलता है, क्योंकि लोग एक साथ मिलकर खेलते हैं।कबड्डी एक मजेदार खेल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में मनोरंजन का साधन है।कबड्डी एक पारंपरिक ग्रामीण खेल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय है। कबड्डी का सांस्कृतिक महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कबड्डी युवाओं के लिए अवसर प्रदान करता है, जैसे कि शारीरिक गतिविधि, सामाजिककरण और प्रतिस्पर्धा। इस दो दिवसीय प्रतिस्पर्धा का आयोजन ग्राम पंचायत मेहकार के हीरा वाड़ी गांव स्थित जय मां खेड़ापति मंदिर परिसर में आयोजित किया गया।दो दिवसीय क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में बैतूल जिले के जिला संघ की मशहूर कबड्डी टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में पहला इनाम प्राप्त कर खिताब पर अपना कब्जा जमाया है।कबड्डी प्रतियोगिता में 30 से अधिक टिमो ने भाग लिया। फाइनल मुकाबलों में गुरु शिक्षा क्लब मेहकार दूसरे स्थान पर रही,जबकि नर्मदा क्लब डुलारा तीसरे स्थान पर रही।

ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा जिसे देश, संस्कृति पर गर्व हो : शुक्ल

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

हमें एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा, जिसे अपनी चरित्र, समाज, संस्कृति पर गर्व हो। स्वदेश, स्वाभिमान, स्वभाषा, ज्ञान और संस्कृति के प्रति जिनके मन में स्वाभिमान हो। इसके लिए शिक्षा में राष्ट्रबोध के भाव का जागरण आवश्यक है। यह बात भारतीय शिक्षण मंडल के 56वें स्थापना दिवस पर 'शिक्षा में राष्ट्रबोध' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संपादक एवं लेखक डॉ. सुदीप शुक्ल ने कही। कार्यक्रम का आयोजन रविवार को सम्राट अशोक अभियांत्रिकीय संस्थान के स्मार्ट हॉल में हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वनिता वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ब्रह्मदीप अलूने उपस्थित थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएटीआई के निदेशक डॉ. वाय. के. जैन ने की। डॉ शुक्ल ने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र बोध का होना आवश्यक है। आप किसी भी संस्थान या भाषा में शिक्षा लीजिए परंतु उसमें राष्ट्रबोध का तत्व होना चाहिए। भविष्य के भारत के लिए हमें इसमें अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। हमें भारत को सुदृढ़ बनाना है, स्वयं को भी सुदृढ़ बनाना है।
मुख्य अतिथ डॉ. वनिता वाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि हमने शिक्षा में भाव और सोच आयातित कर ली है। समय के अनुसार अब शिक्षा और रोजगार में अंतर करना होगा और यह स्कूल से ही होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पहलगाम का उदाहरण देते हुए कहा कि हम में राष्ट्रबोध का अभाव है। हमें अनुशासन और लचीलेपन में अंतर करना होगा। बच्चों पर देश की विरासत की जिम्मेदारी है, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा।
कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. ब्रह्मदीप अलूने ने कहा कि चिंतन-मनन भारतीय मेधा की पहचान है। अफगानिस्तान से लैटिन अमेरिका तक भारतीय सभ्यता के चिन्ह मिलते हैं। हमें अपनी संकुचित विचार से निकला सभ्यता को व्यापकता की ओर ले जाना होगा क्योंकि हमारी शिक्षा वसुधैव कुटुंबकम् की है। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए बताया कि व्यक्ति से ऊपर राष्ट्र होता है। पिता का वचन पूर्ण करने के लिए वनवास स्वीकारना हमारी शिक्षा होती थी। पंच परमेश्वर का निर्णय समाज सहर्ष स्वीकारता था। तुलसीदास जी द्वारा पुनः जन जन में राम को स्थापित करना भी राष्ट्रबोध था। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए डॉ. अमित श्रीवास्तव ने भारतीय शिक्षण मंडल का परिचय दिया एवं आयोजन की भूमिका रखी। अतिथियों का स्वागत समाजसेवी श्री विकास पचौरी ने किया। ध्येय श्लोक का वाचन निपुण वाजपेयी एवं ध्येय वाक्य का वाचन अक्षय शर्मा ने किया। एकल गीत की प्रस्तुति दीपक वश्विकर्मा ने दी। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार श्री अरविंद शर्मा ने किया।

रविंद्र भवन में पंडित याज्ञिक ने कहा- धर्म व सेवा के कार्यों से मानव जीवन सुंदरकांड बन जाता है

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सार्वजनिक जीवन में प्रेम और सेवा व्यक्ति को विशिष्ठ बना देती है मानव जीवन की यही सुंदरता है सुंदर कांड में हनुमान जी ने यही करके दिखाया इसलिए इस कांड का नाम सुंदरकांड पड़ा|
आज रविंद्र भवन के मुक्त आकाश मंच पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सुंदरकांड की संगीतमय स्वर लहरियों के बीच उक्त उदगार मानस मयंक पंडित अजय याज्ञिक ने व्यक्त किये |
बाबूलाल भगवती सोनी ट्रस्ट द्वारा आयोजित "रामभक्ति के अनुपम अनुष्ठान" कार्यक्रम में
हनुमान सम नहिं बड़भागी, नहिं कोई रामचरन अनुरागी
विषय पर सुंदरकांड की दिव्य प्रस्तुति देते हुए पंडित अजय याज्ञिक ने कहा कि भगवान शंकर मां पार्वती से बोले की हनुमान जैसा कोई बड़भागी नहीं है और ना ही हनुमान जैसा भक्ति करने वाला जिसका प्रेम धर्म एवं सेवाधर्म का बखान स्वयं भगवान राम ने अपने श्री मुख से बार-बार किया हमको अपने जीवन में धर्म और सेवा के ऐसे कार्य करना चाहिए कि भगवान नहीं तो कम से कम अपना परिवार मित्र और समाज उनका बखान करें तभी हमारा जीवन सुंदरकांड हो सकता है | संस्था के अध्यक्ष प्रदीप सोनी मिलन सचिव प्रमोद नेमा पदाधिकारियों ने पंडित अजय याज्ञिक का बहुमान किया

मधुर भजनों पर खूब थिरके श्रद्धालुः

सचिव प्रमोद नेमा ने बताया पंडित याज्ञिक द्वारा सुंदरकांड की व्याख्या के साथ गाये गए विभिन्न भजनों की स्वर लहरियों पर श्रद्धालुओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया तथा इस अवसर पर खेली गई फूलों की होली पर भी पूरा परिसर इस अनूठी राम भक्ति पर झूम उठा |
सुंदरकांड के प्रारंभ में सभी श्रद्धालुओं का है चंदन का टीका लगाकर स्वागत किया एवं सभी को सुंदरकांड की पुस्तिका तथा हनुमान चालीसा की छोटा टीका निशुल्क भेंट किया गया महा आरती के बाद महा प्रसादी का वितरण भी हुआ|
इस अवसर पर करुणा धाम आश्रम के सुदेश शांडिल्य मंत्री विश्वाश सारंग महापौर मालती राय विधायक रामेश्वर शर्मा जनप्रतिनिधियों के साथ राजधानी की सामाजिक राजनीतिक व्यापारिक संस्थाओं के प्रमुख मौजूद थे, ,,,,

तमिल नव वर्ष तमिल संगम भोपाल द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

तमिल नव वर्ष भेल संस्कृतिक भवन में तमिल संगम भोपाल द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर प्रमुख नगर निगम अध्यक्ष माननीय श्री किशन सूर्यवंशी जी, बीजेपी प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेन्द्र शर्मा, उप आयुक्त केंद्रीय विद्यालय डॉ सेंथिल कुमार, उप आयुक्त मानीकंडन स्वामी, अतिरिक्त आयुक्त इंकम टैक्स एन रोहिणीत, एजीएम कैनेंरा बैंक जीवागानाथन, शासकीय ठेकेदार स्वामीवेल तमिल संगम भोपाल संरक्षक अधिवक्ता एम. रवि, के. शंकर, डॉ. सुरेश, उमा अय्यर, शांता अय्यर, आर. शिवम, कुमार आदि उपस्थित थे।

आईपीएल सट्टेबाजी पर नकेल कसने का काम किया सारनी पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थान पर की बड़ी कार्रवाई टोकन बांटने वाले अभी भी क्षेत्र से बाहर

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में आईपीएल पर जमकर सट्टा खेल जाने से संबंधित 24 अप्रैल को समाचार प्रकाशित किया गया था जिसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया के निर्देशानुसार थाना सारनी पुलिस द्वारा अवैध सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में आईपीएल सट्टा खिलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही कर अभियुक्त के पास से 4 हजार 900 रुपए नगद जप्त करके तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही उनके पास से महत्वपूर्ण सामग्री भी जप्त की गई है। सारनी थाना प्रभारी जयपाल इनवाती ने जानकारी देते हुए बताएं कि बाकूड, मोडोगरी और पाथाखेड़ा में अलग-अलग स्थान पर मुख्यबीरो के माध्यम से आईपीएल पर सट्टा पट्टी लिखने की शिकायत प्राप्त हुई थी और उसी के आधार पर कार्रवाई की गई है।जिसमे ग्राम वाकुड़ में हनुमान मंदिर के पास दबिश दी गई,जहां आरोपी संतोष इवने पिता मकल सिंग इमने (उम्र 30 वर्ष) को आईपीएल मैच (पंजाब बनाम कोलकाता) में चौके-छक्कों पर दांव लगाकर सट्टा खेलते हुए पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से एक IQ कंपनी का Z7 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, हिसाब-किताब की पर्ची, एक लीड पेन तथा जेब से दो हजार नगद जप्त किए गए। आरोपी के विरुद्ध धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। जबकि दुसरा प्रकरण
मोरडोंगरी रोड पर दबिश देकर आरोपी रामभरोसे भोरसे पिता शिवचरण भोरसे (उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम वाकुड़) को भी सट्टा खेलते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से एक वीवो कंपनी का Y35 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, हिसाब-किताब की डायरी,एक लीड पेन और नौ सौ रुपए नगद जप्त किए गए। आरोपी के विरुद्ध भी धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। जबकि तीसरा प्रकरण आजाद नगर पाथाखेड़ा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी सुजल बाबरिया पिता अशोक बाबरिया (उम्र 21 वर्ष) को आईपीएल मैच (चेन्नई सुपर किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद) में सट्टा लगाते हुए पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक रियलमी कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन,हिसाब-किताब की डायरी,एक लीड पेन और दो हजार नगद बरामद हुए। आरोपी के विरुद्ध भी धारा 4(क) सट्टा एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई।

11008 संगीतमय श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

11008 संगीतमय श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन दिनांक 26 अप्रैल 2025 शनिवार को , अभिनव पारस कैंपस , दशहरा मैदान के पास अयोध्या नगर भोपाल में आयोजित किया गया जिसमें हजारों श्री हनुमान भक्तों ने सहभागिता की एवं कार्य क्रम में भक्त जन श्री राम जी एवं श्री हनुमान जी की भक्ति में लीन होकर अपने जीवन को धन्य बनाया श्री हनुमान भक्त मण्डल के तत्वाधान मे यह सतत् सातवें वर्ष में सफल आयोजन हुआ जय जय सिया राम जी , जय जय श्री हनुमान जी ।

ववरुद्ध में कस्तूरबा माके ट हबीबगंज, व्यापारी संघ द्वारा दुकाने बंध रखीं गईं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आतंकवादियों द्वारा पहलगाम जम्मू और कश्मीर में पयटको की गई हत्या के ववरुद्ध में कस्तूरबा माके ट हबीबगंज, व्यापारी संघ द्वारा दुकाने बंध कर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोीी एवं भारत सरकार से मांग की गई वक आतंकवाीीयौ एवं उनको सुरक्षा ेंनि वाले ेंशिों का नामों वनशान ममटाए। कस्तूरबा माके ट व्यापारी संघ के अध्यक्ष ववनोी वाघेला, अमधवक्ता एम. रवव, सीीप, अशोक पांडे, कैलाश, अब्ददुल रहमान, यशवंत शाह, आदि उपस्थित थे।

बीएचईएल, भोपाल में "कार्य निष्पादन के लिए प्रशिक्षण" शीर्षक दो दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में "कार्य निष्पादन के लिए प्रशिक्षण" शीर्षक दो दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं प्रमुख, बीएचईएल, भोपाल ने किया । इस अवसर पर श्री संतोष कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (मा.सं.) भी उपस्थित थे ।
अपने संबोधन में श्री उपाध्याय ने प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि "यह कार्यक्रम समय की मांग है और बीएचईएल भोपाल को इसकी मेजबानी करने वाली पहली इकाई होने पर गर्व है । हमारी बढ़ती ऑर्डर बुक के साथ, एचओडी/एचओएस स्तरों पर प्रभावी नेतृत्व की मांग काफी बढ़ गई है ।" कार्यक्रम में एचईपी, भोपाल के ई5, ई6 और ई6ए स्तरों के कुल 28 विभागाध्यक्ष ने प्रतिभागिता की ।
कार्यक्रम में श्री आर. के. अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसओएम) ने प्रतिभागियों को बीएचईएल की कॉर्पोरेट रणनीति और इकाई योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की, जिसमें कोचिंग के उद्देश्यों को कंपनी के व्यापक लक्ष्यों के साथ जोड़ा गया । कॉर्पोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट (सीएलडी) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ई5, ई6 और ई6ए स्तरों पर वरिष्ठ अधिकारियों के बीच नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाना है । कार्यक्रम में टीम चुनौतियों को समझना, 'ग्रो' कोचिंग मॉडल, प्रदर्शन में अवरोधों की पहचान करना और उच्च प्रदर्शन के तत्वों सहित प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया । उपयोग की जाने वाली पद्धतियों में इंटरैक्टिव कक्षा सत्र, केस स्टडी, अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ और ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियाँ शामिल थीं ।
यह प्रशिक्षण निरंतर सीखने और नेतृत्व विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने की बीएचईएल की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि इसके नेता उभरते व्यावसायिक परिदृश्य को संचालित करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं ।
प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व श्रीमती सुदेशना मुखर्जी, अपर महाप्रबंधक (सीएलडी-एचआरडीआई) एवं श्री तनुज कुमार शुक्ला, प्रबंधक (सीएलडी-एचआरडीआई) ने किया । जिन्होंने प्रदर्शन कोचिंग तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की । कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती सुरेखा बंछोर, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (एचआरडी) एवं श्री तरुण कुमार कौशिक, प्रबंधक (एचआरडी) ने किया ।

वक्फ कानून का मामला पीछे गया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की घटना और उससे पहले पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की भड़काऊ भाषण ऐसे समय में हुआ है, जब भारत में कई किस्म के सांप्रदायिक विवाद चल रहे हैं। एक बड़ा विवाद वक्फ संशोधन कानून का है, जिसे सरकार ने संसद के बजट सत्र में पास किया। तीन और चार अप्रैल को यह विधेयक क्रमशः लोकसभा और राज्यसभा से पास हुआ। छह अप्रैल को राष्ट्रपति ने इसकी मंजूरी दी और केंद्र सरकार ने दो दिन बाद इसे लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इस कानून के खिलाफ दो स्तर पर लड़ाई चल रही है। एक लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है, जहां 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई हैं तो दूसरी लड़ाई सड़क पर चल रही है, जिसका नेतृत्व ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड कर रहा है। पहलगाम की घटना ने वक्फ की लड़ाई से देश का ध्यान भटका दिया है। गौरतलब है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड यानी एआईएमपीएलबी ने 10 अप्रैल से 87 दिन के विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था और कहा था कि सात जुलाई तक उसका प्रदर्शन चलेगा। इस दौरान वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों के दस्तखत जुटाए जाएंगे और उन्हें प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। इसके बाद एआईएमपीएलबी की ओर से विरोध प्रदर्शन के दूसरे चरण की घोषणा होनी थी। एआईएमपीएलबी के साथ साथ जमात ए उलमा ए हिंद की ओर से भी प्रदर्शन हो रहा था और इसके अलावा हर जुमे को नमाज के बाद किसी न किसी रूप में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। परंतु पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों से 'कलमा' पढ़वाने और धर्म पूछ कर हत्या कर देने की घटना के बाद समूचा विरोध प्रदर्शन एक तरह से स्थगित हो गया है। आम लोगों का ध्यान भी इससे हट गया है। य़ह ऐसी घटना हुई है, जैसी इससे पहले कश्मीर घाटी में देखने सुनने को नहीं मिली थी। कुछ आतंकवादी बाहरी लोगों की हत्या कर रहे थे लेकिन पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। इसी वजह से सुरक्षा बल भी लापरवाह हो गए थे। पंजाब में आतंकवाद के समय धर्म पूछ कर हत्या करने की अनेक घटनाएं हुई थीं और उसके बाद उसको खत्म करने में समय नहीं लगा। कश्मीर घाटी में ऐसा नहीं होता था। पहली बार ऐसा हुआ कि हिंदुओं को धर्म पूछ कर मारा गया। इस वजह से वक्फ कानून के खिलाफ लड़ रहे संगठन और नेता भी बैकफुट हैं और व्यापक रूप से मुस्लिम आबादी भी हिली हुई है। उसको लग रहा है कि इससे भारतीय समाज में उनका अलगाव पहले से ज्यादा बढ़ेगा। यही कारण है कि ऑल इंडिया एमआईएम के नेता हों यो एआईएमपीएलबी और जमात के नेता, सब आगे बढ़ कर इस आतंकवादी घटना की निंदा कर रहे हैं। उनमें होड़ लगी है कि कौन ज्यादा कठोर शब्द में निंदा कर सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने देश भर के मुस्लिम लोगों से कहा कि वे इस जुमे को यानी शुक्रवार, 25 अप्रैल को नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर पहलगाम की घटना का विरोध जताएं। सोचें, जो मुस्लिम समाज जुमे की नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रहा था और उसको उत्तर प्रदेश सरकार नोटिस भेज रही थी उसने काली पट्टी बांध कर कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले का विरोध जताया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि इससे स्थायी रूप से वक्फ का मामला समाप्त हो जाएगा। लेकिन कानून बनने के बाद जो मोमेंटम था वह अब वापस नहीं मिल पाएगा। अब इसका विरोध औपचारिकता है क्योंकि पहलगाम की घटना से जो घटनाक्रम शुरू हुआ है वह तुरंत समाप्त नहीं होने वाला है। भारत की ओर से इसका बदला लेने की बात कही जा रही है तो दूसरी ओर पाकिस्तान ने कहा है कि अगर पानी रोका गया तो ऐलान ए जंग होगा। दोनों तरफ से तैयारियां चल रही हैं। भारत की ओर से कुछ न कुछ किया जाएगा। कुछ होने से पहले और होने के बाद भी लंबे समय तक उबाल बना रहना है। इसलिए वक्फ कानून के विरोध की बजाय 'इस्लामिक आतंकवाद' का मुद्दा नैरेटिव के केंद्र में रहेगा और मुस्लिम समाज को अपनी लड़ाई लड़ने की बजाय सफाई ज्यादा देनी होगी। पार्टियों, संगठनों, नेताओं पर निष्ठा साबित करने का दबाव बढ़ गया है। ऐसा लग रहा है कि मुनीर और आईएसआई के हैंडलर्स ने अपनी घरेलू राजनीति बचाने के चक्कर में भारत के मुसलमानों के लिए समस्या खड़ी कर दी और बैठे बिठाए भाजपा को नैरेटिव बदलने का जरिया दे दिया।

जाति नहीं अब धर्म का मामला!

पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने हिंदू-मुस्लिम का जो राग छेड़ा और उसके बाद जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर हिंदुओं का जैसा नरसंहार किया उससे भारत की राजनीति बड़े पैमाने पर प्रभावित हो सकती है। भारत में पिछले कुछ समय से राजनीति बदली थी। लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण बचाने की लड़ाई कारगर साबित हुई थी। भाजपा की मंदिर और धर्म के एजेंडे के बरक्स विपक्षी पार्टियों ने अपना गठबंधन बनाया था और अपना एजेंडा आगे किया था। वह एजेंडा धर्म की राजनीति को फेल करने वाला था। उसमें जाति आधारित जनगणना की मांग थी। आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने का वादा था और संविधान बचाने का संकल्प था। भाजपा के कई नेताओं ने चार सीट जीतने और उसके बाद संविधान बदलने की जो बात कही थी उसका मुद्दा भी था। एक तरफ भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की हवा पर सवार थी और उसको लग रहा था कि यह मुद्दा हिंदुओं को पहले से ज्यादा एकजुट कर देगा लेकिन उसके मुकाबले जाति का मुद्दा ज्यादा प्रभावी हो गया। भाजपा ने अपनी जीती हुई 63 सीटें गंवा दी। सहयोगियों की स्थिति भी अच्छी नहीं रही। लोकसभा के इस नतीजे के बाद हालांकि राज्यों के चुनाव में सब कुछ बदल गया और भाजपा ने ज्यादातर राज्यों में चुनाव जीत लिए। लेकिन उन राज्यों में भी भाजपा की जीत धर्म की बजाय जातिगत गणित बैठाने से हुई। तभी भाजपा किसी ऐसे मौके की तलाश में थी, जिससे विपक्षी पार्टियों की जाति की राजनीति की काट हो सके। वह मौका मिला है मुनीर के दो राष्ट्र के सिद्धांत वाले भाषण और उसके बाद पहलगाम में हुए हिंदुओं के नरसंहार से। धर्म पूछ कर हिंदू पुरुषों को गोली मार देने और महिलाओं से कथित तौर पर यह कहने कि, 'जाओ जाकर मोदी को बता दो', देश की राजनीति में बदलाव आ सकता है। इससे यह धारणा बन रही है कि असली लड़ाई जाति की नहीं धर्म की है और सभी हिंदुओं को एकजुट रहने की जरुरत है। दूसरी धारणा यह बन रही है कि धर्म रक्षा की यह लड़ाई मोदी लड़ रहे हैं। यह स्थिति भाजपा के बहुत अनुकूल होती दिख रही है। पहलगाम की घटना के तुरंत बाद हिंदुवादी संगठनों की प्रतिक्रिया इसी लाइन पर थी। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुखपत्र 'पांचजन्य' के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया था, 'उन्होंने धर्म पूछा, जाति नहीं'। उसके बाद से सोशल मीडिया में यह नैरेटिव चल रहा है कि आतंकवादियों ने हिंदुओं को मारा। उन्होंने यह नहीं पूछा कि हिंदुओं में कौन किस जाति का है। इसलिए हिंदुओं को भी जाति से ऊपर उठ कर सोचना चाहिए। यह रिपोर्ट भी आई कि असम के एक प्रोफेसर को 'कलमा' पढ़ना आता था और उसने आतंकवादियों के कहने पर कलमा पढ़ दिया तो उसकी जान बच गई। तभी भाजपा के एक सांसद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'कलमा' लिख कर डाला और कहा कि इसे याद कर रहे हैं, पता नहीं कहां पढ़ना पड़ जाए। हालांकि इसके लिए कई लोगों ने उनकी आलोचना की और कहा कि उनको अपनी ही सरकार पर भरोसा नहीं है कि वह सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। लेकिन यह मामला सुरक्षा का नहीं है, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का है। इसी नैरेटिव के तहत अब यह प्रचार किया जा रहा है कि आतंकवाद का धर्म होता है। लोग इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ कर बोलने लगे हैं। कहा जा रहा है कि 'सिख आतंकवाद' या 'खालिस्तानी आतंकवाद' बोला जाता है। इसी तरह 'हिंदू आतंकवाद' भी प्रचारित किया गया। लेकिन 'इस्लामिक आतंकवाद' या 'मुस्लिम आतंकवाद' कहने पर लोग नाराज हो जाते थे या कहने वाले को सांप्रदायिक करार दिया जाता था। लेकिन अब आतंकवादियों ने खुद बता दिया कि उनका क्या धर्म है। मुनीर के हिंदू मुस्लिम वाले भाषण और पहलगाम की घटना के बाद यह नैरेटिव बन रहा है कि हिंदुओं को एकजुट रहना है। घटना के बाद मुंबई के एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक रहेंगे तो कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। कुछ दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि हिंदुओं को एक मंदिर में जाने और एक कुएं पर पानी पीने का चलन बढ़ाना चाहिए। यानी हिंदुओं के अंदर जाति का जो भेद है उसको खत्म करना चाहिए। कहने की जरुरत नहीं है कि आने वाले दिनों में यह प्रचार जोर पकड़ेगा। अगर कहीं गलती से इसके वीडियो आ गए कि आतंकवादी धर्म पूछ कर गोली मार रहे हैं तो इस नैरेटिव को स्थापित करना बहुत आसान हो जाएगा। ध्यान रहे पहलगाम में आतंकवादियों के हमले से बचे पर्यटकों ने बताया है कि आतंकवादियों ने बॉडी कैम पहना हुआ था यानी वे सारी घटना को रिकॉर्ड कर रहे थे। सामरिक मामलों के जानकारों का कहना है कि लश्कर ए तैयबा ने पिछले कुछ समय से यह शुरू किया है कि उसके आतंकवादी बॉडी कैमरे से सब कुछ रिकॉर्ड करते हैं और इसका इस्तेमाल अपने धर्म युद्ध को ग्लोरिफाई करने के लिए करते हैं। अगर ऐसा कोई झूठा सच्चा वीडियो आता है तो बिहार चुनाव में सबसे पहले उसकी परीक्षा होगी। हालांकि बिहार में विधानसभा चुनाव में आमतौर पर धार्मिक ध्रुवीकरण नहीं होता है लेकिन भाजपा प्रयास में कोई कमी नहीं रखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी से ही आतंकवादियों को मिटा देने की चेतावनी जारी की है। सरकार आतंकवादियों के खिलाफ जो भी कार्रवाई करेगी उसको बिहार से जोड़ा जाएगा और कहा जाएगा कि प्रधानमंत्री ने बिहार में जो कहा था उसे पूरा किया गया।

घाटी में पहली बार पाकिस्तान से नफरत!

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पिछले करीब चार दशक से चल रहा है। पिछली सदी में आठवें दशक के मध्य में इसकी शुरुआत हुई थी। उसके बाद करीब 40 साल में कोई मौका ऐसा नहीं आया, जब जम्मू कश्मीर में और खास कर कश्मीर घाटी के स्थानीय निवासियों के मन में पाकिस्तान के प्रति ऐसी नफरत पैदा हुई हो और उसका प्रकटीकरण भी हुआ हो, जितनी पहलगाम की घटना के बाद हुई है। पहली बार ऐसा हुआ है कि कश्मीर घाटी के लोग पाकिस्तान के खिलाफ आंदोलित हुई। अपने हिंदू बिरादरान के साथ खड़े हुए और आतंकवादियों को अपना दुश्मन बताया। इससे पहले किसी न किसी रूप में आतंकवादियों को स्थानीय लोगों का समर्थन मिलता रहता है। वे अपने आर्थिक हितों और अपने जीवन से ज्यादा पाकिस्तान के इस नैरेटिव की लड़ाई लड़ते थे कि, 'कश्मीर उसके गले की नस है'। पहलगाम में धर्म पूछ कर 27 हिंदुओं की हत्या किए जाने के बाद कश्मीरी आवाम आंदोलित हुआ है। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। ऐसा नहीं है कि कोई पार्टी लोगों को मोबिलाइज कर रही थी। भाजपा ने भी अपनी ओर से कुछ प्रयास नहीं किया, जबकि उसके 29 विधायक हैं और वह एक बड़ी राजनीतिक ताकत है। लोग खुद ब खुद घरों से निकले और पाकिस्तान का विरोध किया। सबने एक स्वर में कहा कि यह हमला कश्मीरियत की भावना के ऊपर है। जाहिर है इतने बड़े विरोध के पीछे एक कारण यह भी था कि पहली बार आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर इतना बड़ा नरसंहार किया था और कश्मीर लोगों को भी इसके असर का अंदाजा होगा। लेकिन उसके साथ साथ एक कारण यह भी था कि आतंकवादियों ने इस अलिखित नियम का उल्लंघन किया था कि पर्यटकों या दूसरे बाहरी लोग, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थ को सपोर्ट करते हैं उन पर हमला नहीं होना चाहिए। पर्यटकों पर हमले का पहला असर तो यह हुआ है कि पर्यटन का हाई सीजन होने के बावजूद सारी बुकिंग रद्द होने लगी है। होटलों की 90 फीसदी बुकिंग रद्द हो गई है। हवाई जहाज की टिकटें कैंसिल की जा रही हैं। लोग श्रीनगर, पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग आदि छोड़िए लोग वैष्णो देवी की यात्रा रद्द कर रहे हैं। सोचें, पिछले साल दो करोड़ 30 लाख पर्यटक कश्मीर गए थे। भारत के कुल 25 करोड़ लोगों ने घरेलू पर्यटन किया, जिसका 10 फीसदी अकेले कश्मीर गया था। इससे कितना राजस्व सरकार को और वहां के कारोबारियों को मिला होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले कुछ समय से जम्मू कश्मीर के बारे में धारणा बदली थी और अनुच्छेद 370 हटाए जाने का सकारात्मक असर दिखने लगा था। अनुच्छेद 370 हटाए जाने को जितने सहज रूप से वहां के आम लोगों ने स्वीकार किया और उसके बाद जैसे चुनाव के बाद लोकप्रिय सरकार का गठन हुआ उससे देश भर के लोगों में विश्वास बना और उन्होंने कश्मीर जाना शुरू किया। कश्मीर के लोग भी मुख्यधारा से जुड़ने लगे। वहां के नौजवान देश भर में पढ़ाई के लिए जाने लगे और अचानक अखिल भारतीय सेवाओं से लेकर खेल कूद में कश्मीरी नौजवानों की भागीदारी बढ़ गई। तभी वहां के स्थानीय कारोबारी, होटल वाले, टैक्सी वाले, खच्चर, घोड़े और डोली वाले सबकी जीविका पर खतरा मंडरा रहा है। कहीं भीड़ पर आतंकवादियों द्वारा गोली चलाना और कुछ लोगों को मार देना, बिल्कुल अलग मामला है लेकिन सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर जाकर पर्यटकों से धर्म पूछ कर उनकी हत्या कर देना, अलग मामला है। इससे लोगों का मनोविज्ञान बहुत प्रभावित हुआ है। वे काफी समय तक कश्मीर जाने से कतराएंगे और इसका असर वहां के लोगों के जीवन पर पड़ेगा। तभी लोग इतने नाराज हुए। पहली बार ऐसा हुआ कि पूरा जम्मू कश्मीर बंद हुआ। पहलगाम की घटना के खिलाफ स्वंयस्फूर्त बंद रहा। यहां तक कि पाकिस्तान विरोधी नारे लगे और पाकिस्तान का झंडा जलाया गया। जिस तरह का गुस्सा देश के अन्य हिस्सों में दिख रहा है वैसा ही गुस्सा कश्मीर में भी दिख रहा है। कश्मीर लोगों का यह गुस्सा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के बहुत काम आ सकता है। इससे वहां आतंकवाद के खात्मे और स्थायी शांति की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

मोदी क्या नेतन्याहू जैसा बदला लेंगे!

प्रधानमंत्री मोदी अंग्रेजी में बोले! वह भी बिहार की जनसभा में! कहा, 'हम उन्हें धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी'। सवाल है पहलगाम की आंतकी घटना के दोषी कौन हैं? पुलिस ने जिन तीन आतंकवादियों के फोटो जारी किए हैं उनको खोजना, मारना, मिट्टी में मिलाने का काम वह सजा नहीं हो सकती है, जिस पर प्रधानमंत्री कहे कि उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। आतंकी तो मौत की तैयारी के निश्चय से ही बनता है। असल बाद आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने की है। और उसका हाल-फिलहाल ठोस उदाहरण इजराइल के नेतन्याहू देते हुए हैं। यहूदियों के साथ हमास के आतंकियों ने जो किया वह जगजाहिर है। उसके अधिक भयावह वारदात पहलगाम में मासूम पर्यटक हिंदुओं पर आतंकियों की बेरहमी थी। देश हिला और पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। भारत ने पहलगाम के दोषियों में सीधे तौर पर पाकिस्तान पर न केवल ऊंगली उठाई है, बल्कि उसके खिलाफ फैसले किए हैं। सो, दुनिया को साफ बता दिया कि पाकिस्तान दोषी है। स्वाभाविक है कि उसे वैसा ही सबक सीखना मोदी की कसम है, जैसे इजराइल के नेतन्याहू ने गाजा को मिट्टी में मिलाया है। आतंकियों के पैरोकार ईरान, लेबनान, यमन, सीरिया पर भी ढेरों मिसाइलें दागीं। हां, इस हवाबाजी का जीरो अर्थ है कि सिंधु जल संधि स्थगित करने से पाकिस्तान प्यासा मर जाएगा। उसकी सेहत पर इसलिए असर नहीं होना है क्योंकि भारत ने पानी रोकने याकि उसके संग्रह के लिए बांध, बैराज नहीं बनाए हुए हैं। भारत ने तुरंत पाकिस्तान को लक्षित करके जो भी कदम उठाए है उससे पाकिस्तान पर असर नहीं होना है। उलटे भारत को भी आर्थिक नुकसान होगा। असल बात प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से निकले ये वाक्य हैं कि, 'धरती के अंतिम छोर तक खदेड़ेंगे। पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है'। इसका अर्थ है नेतन्याहू जैसी या उससे भी बड़ी बदले की कार्रवाई। आंतकवाद के खिलाफ जंग में पहले अमेरिका ने (9/11 के बाद) और हाल में दो वर्षों से इजराइल के नेतन्याहू ने प्रतिमान बनाया है। बुश और नेतन्याहू से भी ज्यादा भारी जुमला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की जनसभा में कहा है। क्या यह कहना बिहार के आगामी चुनाव में लोगों के वोट लेने के लिए है या सचमुच आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान को मिट्टी में मिला देने या उसे हैसियत दिखाने की कसम है? गीदड़भभकी है, थोथा चना बाजे घना है या नेतन्याहू की तरह सैनिक अभियान का बिगुल है? गड़बड़ यह है कि बदला और खासकर देश की आन, बान शान से जुड़ी बदले की कार्रवाई का इरादा जनसभा में जाहिर नहीं होना चाहिए। हिसाब से भारत के लिए आदर्श स्थितियां हैं। दुनिया का कोई देश आज पाकिस्तान के साथ नहीं है। अमेरिका से चीन को जैसी परेशानी है उसमें वह भारत के खिलाफ नहीं जा सकता। पहलगाम की आतंकी घटना का बदला लेने की भारत की कार्रवाई में अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ, जापान आदि सभी देश भारत के साथ मौन रहेंगे। बावजूद इसके पाकिस्तान एटमी हथियारों से लैस तो है। दुनिया चिंता तो करेगी। हमास, लेबनान, ईरान आदि से बदला लेने की इजराइल की ग्राउंड रियलिटी में बहुत कुछ अलग है। जबकि पाकिस्तान का मसला अलग तरह का है। इसलिए लाख टके का सवाल है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है' का जुमला क्या हिसाब लगा कर बोला? क्या सेना भेजकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को लेने का लक्ष्य है ताकि वहां से ऑपरेट करने वाले आतंकियों का झंझट हमेशा के लिए खत्म हो? ऐसे ही नेतन्याहू ने सोच कर हमास के मददगार इलाकों पर सैनिक हमले किए। हाल में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को ले सरकार के कई मंत्रियों के बयान आए है। तो क्या पीओके पर कब्जे से भारत का बदला लेना पूरा होगा? कुल मिलाकर प्रधानमंत्री मोदी के बदले के बयान में नेतन्याहू के मौजूद साक्षात उदाहरण से यह भारी सस्पेंस बना है कि कैसे भारत पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाता है!

एयरस्ट्राइक, सटीक हमले या नौसैनिक नाकाबंदी भारत को पहलगाम हमले का जवाब कैसे देना चाहिए पाकिस्तान पर कैसे करना चाहिए हमला

एजेंसी इस्लामाबाद

/नई दिल्ली: पहलगाम हमला पिछले कुछ सालों में भारत पर किया गया सबसे भयानक आतंकवादी हमला था। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) के आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 लोगों की हत्या कर दी। इन आतंकवादियों ने खास तौर पर हिंदुओं को निशाना बनाया। मरने वाले 26 मृतकों में 25 हिंदू पुरुष हैं। 26वां एक स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति था, जिसने हमले को रोकने की बहादुरी से कोशिश की और अपनी जान गंवा दी। लिहाजा अब भारत जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहा है। भारत का शीर्ष नेतृत्व आतंकवादियों और उनके पीछे शामिल लोगों को मिट्टी में मिलाने की बात कर रहा है। भारत ने शुरूआती कार्रवाई में सबसे सख्त फैसला सिंधु जल समझौता सस्पेंड करना है, जिसपर पाकिस्तान भारतीयों के खून बहाने की बात कर रहा है। इस फैसले पर अगर भारत कायम रहा तो कुछ सालों के बाद पाकिस्तान में भयानक जल संकट शुरू हो सकता है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इसके अलावा सैन्य कार्रवाई की भी बात हो रही है। चूंकी दोनों ही देश परमाणु शक्ति वाले देश है, लिहाजा एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत को काफी सावधान होकर प्रतिक्रिया देने का फैसला करना चाहिए। इसके तहत पाकिस्तान के अंदर चुनिंदा लक्ष्यों पर सटीक हमले, सीमा पार गोलीबारी या फिर अरब सागर में नौसैनिक नाकाबंदी जैसी कार्रवाई शामिल हो सकती हैं। जम्मू-कश्मीर में सेवा दे चुके पूर्व पैदल सेना अधिकारी ब्रिगेडियर राजीव विलियम्स (सेवानिवृत्त) ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, "भारत को अपनी प्रतिक्रिया का सावधानीपूर्वक आकलन करना चाहिए। यह बिना सोचे-समझे की गई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, जिसे कुछ ही दिनों में अंजाम दिया जाए। यह सिर्फ नाम के लिए सर्जिकल स्ट्राइक नहीं होनी चाहिए। एलओसी के पार आतंकी लॉन्च पैड को नष्ट करना ही पर्याप्त नहीं है।" एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को अपना हमला काफी तेज, सटीक, घातक और काफी छोटा रखना चाहिए। ये इतना सटीक

हो कि पाकिस्तान को संभलने का मौका ना मिले। इसके लिए भारत को मिराज-2000, राफेल फाइटर जेट और Su-30MKI फाइटर जेट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई को रोकने के लिए इन विमानों की सुरक्षा के लिए एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट रखना चाहिए। भारत को सटीकते का साथ पाकिस्तान के एयरबेस, रडार सिस्टम और एयर डिफेंस को हमले के पहले लहर में खत्म कर देना होगा। अगर भारत फर्स्ट स्ट्राइक में ऐसा करने में कामयाब हो जाता है तो भारत के लिए आगे की लड़ाई काफी ज्यादा आसान हो जाएगी। क्योंकि इससे पाकिस्तान का फर्स्ट लाइन डिफेंस ध्वस्त हो जाएगा। इसके लिए भारत को एडवांस BVR मिसाइलों का इस्तेमाल करना चाहिए। भारत ने अपने हथियार भंडार में Meteor, Astra Mk2 जैसी BVR मिसाइलों को शामिल किया हुआ है और पाकिस्तान के पास इन मिसाइलों को रोकने की क्षमता फिलहाल नहीं है। इसके अलावा भारत चाहे तो ब्रह्मोस मिसाइल का भी इस्तेमाल कर सकता है, जिसे रोकने की क्षमता पाकिस्तान तो क्या, उसके हर मौसम के साथ चीन के पास भी नहीं है। इसके अलावा भारतीय AWACS और Netra AEW&C से पाकिस्तान की हर मूवमेंट रियल टाइम में ट्रैक किया जा सकता है। यानि अगर पाकिस्तानी फाइटर जेट्स हमला करने के लिए आगे बढ़े तो एस-400 से उनका फौरन शिकार किया जा सके। इस दौरान पाकिस्तान, भारत के ऊपर चीन से मिला पीएल-15 मिसाइल का इस्तेमाल भारतीय डिफेंस को भेदने के लिए कर सकता है, जिसे रोकने की क्षमता एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और Meteor मिसाइलों में है। विलियम्स ने जोर देकर कहा, "इस बार जवाब प्रभावशाली होना चाहिए। इसका परिणाम महत्वपूर्ण हताहतों के रूप में होना चाहिए। हमें लक्ष्यों की पहचान करनी चाहिए और पाकिस्तान पर जोरदार हमला करना चाहिए।" पाकिस्तान के फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस को अगर भारत तोड़ देता है तो फिर उसके पास बचने के काफी कम चांसेज होंगे और ऐसी स्थिति में भारत को फौरन ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल कर उसके गोला बारूद के ठिकाने, सामरिक ब्रिज और सप्लाई चेन की क्षमता को उड़ा देना चाहिए। इसके अलावा पाकिस्तान के सैन्य एयरबेस को भी तोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान के पास एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं है, लिहाजा किसी और जगह से फाइटर जेट्स के आने की संभावना नहीं होगी। इसके अलावा भारत को अपने Loitering Munition Drones जैसे ALS-50, Israel के Harop से पाकिस्तान के अलग अलग मिलिट्री टारगेट्स पर लगातार हमले करते रहना चाहिए। ताकि उसे संभलने का मौका ना मिले। इस दौरान भारत को अपने पारा एसएफ, मार्कोस और गार्ड कमांडोज को एलओसी के पार भेजना चाहिए, जिनका मकसद पाकिस्तान के अंदर हाई वैल्यू टारगेट्स (LeT, JeM के कैंप्स, ISI लॉजिस्टिक सपोर्ट) पर हमला करना हो। इसका मुख्य मकसद पाकिस्तान के अंदर टेरेरिस्ट ठिकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर देना हो। ताकि आतंकी नेटवर्क का सफाया हो जाए। इस दौरान भारतीय नौसेना को ब्लॉकेज स्ट्रैटजी पर काम करना चाहिए। भारतीय नौसेना अरब सागर में आगे बढ़कर कराची बंदरगाह को या तो ब्लॉक कर दे या फिर हमले कर उसे तबाह कर दे। जैसा 1971 के युद्ध में ऑपरेशन ट्राइडेंट में किया गया था। इस दौरान भारत ने काफी आक्रामक हमला किया था, जिसमें पहली बार भारत ने एंटी शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। ऐसा करने के साथ साथ भारत को पाकिस्तान की तेल सप्लाई लाइन और उसका ट्रेड रूट काट देना चाहिए।

जानवरों से लड़ते थे रोमन ग्लेडिएटर्स प्राचीन कब्रिस्तान से मिला योद्धा का कंकाल, दिलचस्प खुलासे

एजेंसी लंदन

वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन में एक दिलचस्प खोज की है। वैज्ञानिकों को इंग्लैंड के यॉर्क शहर में एक पुराना कब्रिस्तान मिला है। यह कब्रगाह 1,825 से 1,725 साल पुरानी है। इसमें एक युवक का कंकाल मिला है, जिसकी मौत के समय उम्र 26 से 35 साल के बीच रही होगी। उसके कंकाल पर किसी बड़े जानवर के काटने के निशान हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह निशान शेर के काटने का है। इस खोज के आधार पर वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि रोमन साम्राज्य का प्रभाव ब्रिटेन तक फैला था। इससे यह भी पता चलता है कि उस समय ग्लैडिएटर्स (योद्धाओं) और जानवरों के बीच लड़ाई होती थी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यॉर्क आर्कियोलॉजिकल ट्रस्ट के नेतृत्व में 2010 में इस कब्रगाह की खोज हुई थी। शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा कि युवक की पेल्विस यानी कूल्हे की हड्डी पर निशान किसी मांसाहारी जानवर के हैं। काफी लंबी जांच के बाद पता चला कि ये निशान शेर के काटने के हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क की मालिन होल्स्ट ने कहा कि इस खोज से पता चलता है कि कब्रगाह में दफन लोग ग्लैडिएटर्स थे, ये सैनिक या गुलाम नहीं थे। वैज्ञानिकों ने कब्रिस्तान से मिली हड्डियों का विश्लेषण किया। इससे उन्हें युवक और शेर के काटने के बारे में कई बातें पता चलीं। वैज्ञानिकों ने एक और रिसर्च में पाया है कि चिंपांजी भी नशीले फल खाते हैं। वे फर्मेंटेड यानी सड़े हुए फल खाते हैं। इनमें अल्कोहल होता है। यह इंसानों की तरह ही सामाजिक बंधन को मजबूत करने का एक तरीका हो सकता है। एक और खोज में वैज्ञानिकों को टेरर क्रोकोडाइल मिला है। इसका वैज्ञानिक नाम डीनोसुचस है। यह करीब 26 फीट लंबा था। इसके दांत केले के आकार के थे। यह 82 मिलियन से 75 मिलियन साल पहले उत्तरी अमेरिका की नदियों में रहता था। यह डायनासोर को भी खाता था। पहले माना जाता था कि यह मगरमच्छों के परिवार का है। विश्लेषण से पता चला है कि यह क्रोकोडाइल परिवार की एक शाखा से है। वैज्ञानिकों को एक खोज में जानवरों के पैरों के निशान भी मिले हैं। ये निशान बताते हैं कि प्राचीन समय में कौन से जानवर कहां रहते थे। ओरेगन के जॉन डे फॉसिल बेड्स नेशनल मोन्यूमेंट में कई निशान मिले हैं। इनमें से एक निशान 50 मिलियन साल पुराना है। यह एक छोटे पक्षी का है, जो झील के किनारे भोजन की तलाश में था। एक और दिलचस्प खोज में, वैज्ञानिकों को सबसे पुरानी चींटी की प्रजाति मिली है। यह चींटी लगभग 113 मिलियन साल पहले डायनासोरों के समय में रहती थी। ब्राजील के साओ पाउलो विश्वविद्यालय के जूलॉजी संग्रहालय के एंडरसन लेपेको को यह चींटी मिली। इस चींटी के सिर के सामने एक अजीब सा उभार है। इससे पहले ऐसी चींटी कभी नहीं देखी गई।

भारत के हमले के डर से पाकिस्तानी एयरफोर्स में खलबली, कराची हार्बर पर उतारे फाइटर जेट

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एयरफोर्स ने कराची हार्बर पर J-10, JF-17 और F-16 जैसे लड़ाकू विमानों की तैनाती की है। ये तैनाती भारत के साथ तनाव को देखते हुए की गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इसके दोषियों को सबक सिखाने की बात कही है। ऐसे में पाकिस्तान को भारत की ओर से अटैक का डर सता रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तानी एयरफोर्स ने कराची हार्बर की सुरक्षा के लिए अपने सबसे अच्छे लड़ाकू विमान तैनात कर दिए हैं। पाकिस्तानी वायुसेना ने कराची हार्बर पर J-10, JF-17 और F-16 जैसे विमान उतारे हैं। ये पाक वायुसेना के सबसे प्रमुख लड़ाकू विमान तैनात किए हैं। इनको पाकिस्तानी वायुसेना के सबसे महत्वपूर्ण और अस्तित्व की निशानी वाले जेट माना जाता है। माना जा रहा है कि भारतीय सेना के आक्रामक रवैये को देखते हुए पाक ने ये कदम उठाया गया है। ताकि भारत की ओर से किसी भी हमले का जवाब दिया जा सके। इस तरह की सैन्य गतिविधियों में क्षेत्र में भी तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान के लिए कराची हार्बर रणनीतिक तौर पर अहम है। पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति पाकिस्तान ने अपनी समुद्री और वायु सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कराची हार्बर की हिफाजत पर जोर दिया है, जो देश की आर्थिक और सैन्य गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। कराची के पास पाकिस्तानी वायुसेना और नौसेना की महत्वपूर्ण स्टेशन हैं। ऐसे में सुरक्षा के लिए पाकिस्तान ने अपनी वायुसेना के सबसे आधुनिक और प्रभावशाली विमानों को यहां तैनात किया है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। भारत ने इस हमले के बाद सिंधु जल संधि रद्द करने और अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट बंद करने जैसे कदम उठाए हैं। भारत की ओर उठाए गए कदमों के बाद पाकिस्तान ने भी तेवर दिखाए हैं। पाकिस्तान ने कहा है कि हमारी सेना भारत को जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान ने कहा है कि अगर भारत ने पानी रोका तो हम इसे जंग का ऐलान समझेंगे। पाकिस्तान ने कहा है कि पहलगाम हमले में उसकी कोई भूमिका नहीं है। पाक पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि हम पहलगाम हमले की जांच में मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का बड़ा शिकार रहा है, जिसमें हजारों नागरिकों की जान गई है। हम खुद आतंकवाद से पीड़ित रहे हैं।

पहलगाम पर बढ़ता जा रहा भारत को समर्थन, तुलसी गबार्ड के बाद काश पटेल ने किया बड़ा ऐलान

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। काश पटेल ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि यह हमला आतंकवाद के खतरे की तरफ दुनिया का ध्यान दिलाता है। काश से पहले अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस तुलसी गबार्ड भी भारत के लिए एकजुटता दिखा चुकी हैं। काश पटेल और तुलसी गबार्ड दोनों ही भारतीय मूल के अमेरिकी हैं। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार (22 अप्रैल) को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में 26 लोगों की हत्या की गई है, मारे गए लोगों में ज्यादातर पर्यटक थे। इस हमले में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट का नाम इस हमले से जुड़ रहा है। इस हमले पर दुख जताते हुए काश पटेल ने एक्स पर लिखा, 'FBI कश्मीर में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। हम भारत सरकार को पूरा समर्थन देते रहेंगे।' काश पटेल ने आगे कहा कि पहलगाम की घटना दिखाती है कि दुनिया को

किस तरह से आतंकवाद के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। पटेल ने भारतीय सुरक्षा बलों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन में लगे लोग हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने भी पहलगाम हमले की निंदा की है और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग की है।तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ एकजुटता दिखाई है। तुलसी ने एक्स पर लिखा, 'हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले के बाद भारत के साथ खड़े हैं। मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदना उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। हम पीएम नरेंद्र मोदी और भारत के सभी लोगों के साथ खड़े हैं। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की जानकारी ली थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भी पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। ट्रंप ने पहलगाम के दोषियों को न्याय के दायरे में लाने में भारत के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने भी अपने बयान में कहा कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है।

शेख हसीना जैसा हाल करेंगे बांग्लादेश के इस्लामिक कट्टरपंथियों की मोहम्मद यूनुस को धमकी, बताया इस्लाम विरोधी

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सत्ता का मजा लूटने के लिए इस्लामिक कट्टरपंथियों को खूब खुली छूट दी, लेकिन अब वही कट्टरपंथी उनके लिए भस्मासुर साबित होने वाले हैं। कट्टरपंथी इस्लामिक समूह हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश ने मोहम्मद यूनुस को शेख हसीना जैसा ही अंजाम करने की धमकी दी है। हिफाजत-ए-इस्लाम महिलाओं के लिए सुधार लागू करने के खिलाफ अड़ गया है। इसने कहा है कि अगर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को महिला मामलों के सुधार आयोग के इस्लाम विरोधी प्रस्तावों को लागू करने के लिए आगे बढ़ती है, तो उनका हश्र भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा ही किया जाएगा। हिफाजत-ए-इस्लाम के नेताओं ने प्रस्तावों की निंदा की और कहा कि ये कुरान और सुन्नत के सीधे विरोध में हैं। महिला मामलों के सुधार आयोग को समाप्त करने की मांग कर रहे हिफाजत नेता ने घोषणा की कि समूह 3 मई को ढाका के सुहरावर्दी उद्यान में एक सामूहिक रैली करेगा। इस्लामी समूह ने शुक्रवार को चटगांव के अंदरकिल

में एक विरोध रैली और जुलूस का आयोजन भी किया। नारायणगंज में चशारा सेंट्रल शहीद मीनार में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए हिफाजत के संयुक्त महासचिव मामुनुल हक ने इसे लागू किए जाने का विरोध किया। हक ने कहा, 'यूनुस साहब ने इसे जल्दी लागू करने की बात की है। वे इस्लामी विरासत कानून के खिलाफ खड़े हुए हैं। हमने उन्हें बहुत सम्मान दिया है, लेकिन अगर वे इस रास्ते पर चलते हैं, तो हम उनके साथ हसीना से अलग व्यवहार नहीं कर सकते।' इसके अलावा, एक अन्य कट्टरपंथी इस्लामी राजनीतिक पार्टी, खिलाफत मजलिश ने चेतावनी दी कि अगर आयोग के प्रस्तावों को लागू किया गया तो वे एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। पार्टी ने सुधार आयोग की आलोचना की और इसे खत्म करने की मांग की। खिलाफत मजलिश ने कहा, 'आयोग का गठन नास्तिकों और पश्चिमी समर्थकों के एक समूह ने किया था।' ढाका में बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के गेट पर एक विरोध रैली में बोलते हुए, पार्टी के महासचिव अहमद अब्दुल कादर ने आरोप लगाया कि आयोग का गठन 'नास्तिकों और पश्चिमी समर्थकों के एक समूह ने किया है, जिनका मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश के धार्मिक और पारिवारिक मूल्यों को कमजोर करना है।' उन्होंने कहा, 'आयोग ने सभी धर्मों की महिलाओं के लिए एक समान पारिवारिक कानून प्रस्तावित किया है - जिसमें विवाह, तलाक, विरासत और भरण-पोषण शामिल है। यह सीधे तौर पर कुरान और सुन्नत के खिलाफ है और मुसलमानों की आस्था पर एक जबरदस्त हमला है। हम इस तरह की इस्लाम विरोधी गतिविधियों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।'

भारत, अमेरिका, रूस, फ्रांस... जानें किस सेक्टर में चीन ने दुनिया को पछाड़ा, हासिल किया पहला स्थान

एजेंसी बीजिंग

चीन ने परमाणु ऊर्जा के मामले में दुनिया के सभी देशों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। वर्तमान में चीन के पास दुनिया की सबसे ज्यादा परमाणु इकाइयां हैं और उससे वह दुनिया में सबसे ज्यादा ऊर्जा का उत्पादन भी कर रहा है। अभी तक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अमेरिका और फ्रांस का बोलबाला था। चीन परमाणु ऊर्जा प्रशासन (CNEA) द्वारा रविवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार, चीन परमाणु ऊर्जा के समग्र पैमाने के मामले में दुनिया का अग्रणी बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, "वर्तमान में, चीन में 102 परमाणु ऊर्जा इकाइयां हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 113 मिलियन किलोवाट है, जो चालू, निर्माणाधीन और निर्माण के लिए स्वीकृत तीनों को मिलाकर हैं। परमाणु ऊर्जा के कुल पैमाने के संदर्भ में, चीन पहली बार दुनिया का पहला परमाणु ऊर्जा उत्पादक बन गया है।" एसोसिएशन ने कहा कि वर्तमान में, चीन में 28 परमाणु ऊर्जा इकाइयां निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल क्षमता 33.65 मिलियन किलोवाट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चीन लगातार 18 वर्षों से निर्माणाधीन बिजली इकाइयों की क्षमता के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है, "चीन में 58 परमाणु ऊर्जा इकाइयां वाणिज्यिक रूप से संचालित हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 60.96 मिलियन किलोवाट है। इसके अलावा, हमारे देश का परमाणु ऊर्जा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।" CNEA ने कहा कि 2024 में, चालू बिजली संयंत्रों से कुल ऊर्जा उत्पादन 444.7 मिलियन किलोवाट-घंटे तक पहुँच गया, जो देश के कुल ऊर्जा उत्पादन का 4.72% है, जिससे कुल परमाणु ऊर्जा उत्पादन के मामले में चीन दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्तमान में दुनिया के 32 देश परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन कर रहे हैं। ये देश परमाणु ऊर्जा से दुनिया की बिजली का लगभग दसवां हिस्सा पैदा करते हैं। इनमें से ज़्यादातर यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पूर्वी एशिया में हैं। अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका परमाणु ऊर्जा का सबसे बड़ा उत्पादक था, जबकि फ्रांस दूसरे स्थान पर है। हालांकि, वह अपनी कुल जरूरत का लगभग 70% बिजली परमाणु ऊर्जा से उत्पादित करता है। कुछ देशों ने पहले परमाणु रिएक्टर संचालित किए थे, लेकिन वर्तमान में उनके पास कोई परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालित नहीं है। उनमें से, इटली ने 1990 तक अपने सभी परमाणु स्टेशनों को बंद कर दिया। 1987 के जनमत संग्रह के कारण इटली ने अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद किया था। लिथुआनिया ने 2009 में अपने परमाणु स्टेशन को बंद कर दिया क्योंकि वह खतरनाक आरबीएमके रिएक्टर का इस्तेमाल कर रहा था। कजाकिस्तान ने 1999 में परमाणु ऊर्जा को समाप्त कर दिया था, लेकिन संभवतः 2035 तक जनमत संग्रह के तहत इसे फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। जर्मनी ने 1960 से लेकर 2023 में अपनी चरणबद्ध नीति के पूरा होने तक परमाणु संयंत्रों का संचालन किया। ऑस्ट्रिया (ज़्वेनटेनडॉर्फ परमाणु ऊर्जा संयंत्र) और फिलीपींस (बाटान परमाणु ऊर्जा संयंत्र) ने अपने पहले परमाणु संयंत्रों का उपयोग कभी शुरू नहीं किया जो पूरी तरह से निर्मित थे।

त्रिकोणीय सीरीज में टीम इंडिया की दमदार शुरुआत, पहले मुकाबले को 9 विकेट से जीता

एजेंसी कोलंबो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। भारत के साथ साउथ अफ्रीका की महिला टीम श्रीलंका दौरे पर है। तीनों टीमों के बीच आज से त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत हुई। पहले मैच में भारत के सामने श्रीलंका की चुनौती थी। यह मुकाबला बारिश से प्रभावित रहा। 39-39 ओवर के मुकाबले में श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 147 रन बनाए। बारत ने 30वें ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बारिश के कारण मैच शुरू होने में तीन का घंटे का विलंब हुआ और इसे 39 ओवर का कर दिया गया। ऑफ स्पिनर राणा और बाएं हाथ के स्पिनर चरणी ने आठ-आठ ओवर के अपने कोटे को पूरा करते हुए क्रमशः 31 रन पर तीन और 26 रन पर दो विकेट चटकाये। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5.1 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। भारत ने 29.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर आसानी से इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। अनुभवी स्मृति मंधाना (43) ने टीम को तेज शुरुआत दिलायी जिसके बाद प्रतिका (नाबाद 50) और हरलीन देओल (नाबाद 48) ने 95 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। इस साल आयरलैंड के खिलाफ 154 रन की पारी खेलने वाली प्रतिका ने अपने सातवें वनडे में अर्धशतक जड़ शीर्ष क्रम पर अपना दावा मजबूत किया। इस 24 साल की खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी में पूरी परिपक्वता दिखायी। उन्होंने मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 59 गेंद में 54 रन की साझेदारी के दौरान संयमित बल्लेबाजी की। मंधाना के आउट होने के बाद उन्होंने अपनी स्ट्राइक रेट में सुधार करते हुए हरलीन के साथ 120 गेंद में 95 रन की अटूट साझेदारी की। उन्होंने 62 गेंद की अपनी पारी में सात चौके लगाये जिसमें कुछ शानदार कवर ड्राइव शामिल थे। मंधाना ने 52 गेंद की पारी में छह चौके जड़े। रावल ने 30वें ओवर में एक रन के साथ लगातार चौथा अर्धशतक पूरा किया जबकि हरलीन ने चौके साथ टीम को 149 रन पर पहुंचा कर जीत दिला दी। हरलीन ने 71 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके लगाये। मंधाना के आउट होने के बाद श्रीलंका के गेंदबाज कुछ समय के लिए रनगति पर अंकुश लगाने में सफल रहे लेकिन छोटे लक्ष्य के कारण भारतीय बल्लेबाजों पर किसी तरह का दबाव नहीं था। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया और यहां के आर प्रेमदास स्टेडियम में श्रीलंकाई बल्लेबाजों को जमने का मौका नहीं दिया। बीस साल की श्री चरनी ने अपने पहले मैच में प्रभावित किया और अपने आठ ओवरों में सिर्फ 26 रन देकर दो विकेट चटकाए। मध्यम गति की गेंदबाज काश्वी सुदेश गौतम का भी यह पहला अंतरराष्ट्रीय मैच है। वह हालांकि विकेट चटकाने में नाकाम रही लेकिन उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए आठ ओवर में 28 रन दिये। श्रीलंका की ओर से कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। हसिनी परेरा ने 46 गेंदों में 30 रन बनाए जबकि कविशा दिलहारी ने 26 गेंदों में 25 रन का योगदान दिया। हसिनी के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाली कप्तान चमारी अथापथु (सात) पारी की शुरुआत में नाकाम रहीं। विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी (22) और अचिनी कुलासूर्या (17) ने नौवें विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करके टीम के स्कोर को 145 के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया। यह श्रीलंका की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी साबित हुई। श्रीलंका के लिए माल्की मदारा और पियूमी वथसला ने पदार्पण किया है।

कौन हैं कोर्बिन बॉश जिन्होंने 30 साल की उम्र में किया IPL में डेब्यू, लखनऊ को 10 गेंदों में ही धो डाला

एजेंसी मुंबई

आईपीएल 2025 के 45वें मैच में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें आमने-सामने थीं। यह मैच 27 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर कोर्बिन बॉश ने आखिरकार मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में डेब्यू कर लिया। कोर्बिन बॉश एक तेज गेंदबाज और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। उनको मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन में मिचेल सेंटनर के चोटिल होने के कारण शामिल किया गया था। बॉश हाल ही में अपने हमवतन लिजाड विलियम्स की जगह मुंबई की टीम में शामिल हुए थे। विलियम्स घुटने की चोट के कारण पूरे आईपीएल सीजन से बाहर हो गए थे। 30 साल के कॉर्बिन बॉश को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने पहले मैच में ही बल्लेबाजी करने का मौका मिला। वह आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए

उतरे थे। बॉश ने 10 गेंद में 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज करते हुए 20 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और एक छक्का भी लगाया। बॉश दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं और मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। टी20 क्रिकेट में उन्होंने अब तक 86 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 59 विकेट लिए हैं और उनका हाइएस्ट स्कोर 81 रन है। बॉश एसए20 2025 में एमआई केप टाउन की चैंपियनशिप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 11 विकेट लिए थे। बॉश को अब तक साउथ अफ्रीका के लिए टी20 क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला है। दिलचस्प बात यह है कि कोर्बिन बॉश को आईपीएल 2025 की नीलामी के दौरान किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था, वह अनसोल्ड रहे थे। हालांकि, बाद में मुंबई इंडियंस ने उन्हें एक रिप्लेसमेंट के तौर पर साइन किया। यह पहली बार नहीं है जब बॉश किसी आईपीएल टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स के साथ नेट बॉलर के रूप में जुड़े हुए थे। हालांकि उन्हें कभी भी खेलने का मौका नहीं मिला।

मुंबई इंडियंस का जलवा बरकरार, अब लखनऊ सुपर जायंट्स को रौंदा, टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंची

एजेंसी मुंबई

आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का दमदार खेल जारी है। लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर मुंबई ने आईपीएल 2025 में लगातार 5वां मुकाबला जीत लिया है। वानखेड़े स्टेडियम पर एक बार फिर मुंबई के गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों चमके। पहले खेलते हुए मुंबई ने 215 रन बनाए। जवाब में लखनऊ को 161 रनों पर रोककर मुकाबले को 54 रन से अपने नाम किया। इस जीत से हार्दिक पंड्या की टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। 10 मैच में टीम के 12 पॉइंट हो गए हैं। मुंबई इंडियंस ने विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) के तेज अर्धशतकों से इस स्कोर तक पहुंच पाई। सूर्यकुमार लगातार रन बटोरते हुए इस आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपने तीसरे अर्धशतक के साथ 400 रन का आंकड़ा पार किया। भारत के टी20 कप्तान ने आईपीएल में 4,000 रन भी पूरे किए। सूर्यकुमार ने 28 गेंदों में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। रिकेल्टन ने 25 गेंद में आईपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 32 गेंद की पारी के दौरान छह चौके और चार छक्के जड़े। उन्होंने विल जैक्स (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी निभाई। अंत में नमन धीर ने 11 गेंद में दो चौके और दो छक्के से नाबाद 25 रन और डेब्यू कर रहे कॉर्बिन बॉश ने 10 गेंद में 20 रन का योगदान दिया। एलएसजी के लिए आवेश खान और मयंक यादव ने दो दो विकेट हासिल किए। लखनऊ ने टॉस हारने के बाद पहले बॉलिंग करने का फैसला किया। मुंबई इंडियंस ने फॉर्म में चल रहे रोहित शर्मा (12 रन) का विकेट भले ही शुरू में खो दिया हो लेकिन रिकेल्टन ने पावरप्ले में तेजी से रन जुटाये। लगातार दो अर्धशतक लगाने के बाद मैच में उतरे रोहित ने चोट के बाद वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव (40 रन देकर दो विकेट) का स्वागत लगातार दो छक्कों के साथ किया। लेकिन भारतीय कप्तान धीमी गेंद पर आउट हो गए। मयंक ने तीसरे ओवर में 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर रोहित को ऑफ स्टंप के बाहर कैच कराया। इस शुरुआती झटके का कोई असर नहीं हुआ और बाएं हाथ के दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज रिकेल्टन ने तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की गेंदों पर शानदार शॉट लगाए। पर वह दिग्वेश राठी की गेंद पर आउट हो गए। अंत में नमन धीर और कॉर्बिन बॉश ने मुंबई इंडियंस को 200 रन का स्कोर पार कराया। नमन को 'गेज टेस्ट' में विफल होने के कारण अपना बल्ला बदलना पड़ा।

6, 6, 6... निकोलस पूरन ने दीपक चाहर को लिया आड़े हाथ, लगा दी

एजेंसी मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 45वां मैच मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच वानखेड़े स्टेडयम में 27 अप्रैल को खेला गया। इस मैच को मुंबई इंडियंस ने आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। एमआई की यह लगातार पांचवीं जीत थी। उन्होंने लखनऊ को 54 रन के बड़े मार्जिन से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस के 12 अंक हो गए हैं और वह बेहतर नेट रन रेट के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। पूरन लखनऊ के लिए इस मैच में अच्छी शुरुआत के बाद बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। लेकिन उन्होंने दीपक चाहर के एक ओवर में तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए थे। दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी का छठा ओवर मुंबई इंडियंस की तरफ से दीपक चाहर डाल रहे थे। इस ओवर

में वेस्टइंडीज के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन ने दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया। उन्होंने चाहर के ओवर में तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगा दिए। चाहर ने छक्कों की हैट्रिक लगा दी। ओवर की पहली गेंद पर पूरन ही स्ट्राइक पर थे। हालांकि, शुरुआती दो गेंद पर कोई रन नहीं आया। इसके बाद उन्होंने वाइड बॉल डाल दी। फिर ओवर की तीसरी, चौथी और पांचवीं बॉल पर पूरन ने छक्के जड़ दिए थे। इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने सिंगल लिया। इस तरह चाहर के एक ओवर में पूरन ने 20 रन कूट दिए। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में एमआई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 215 रन बनाए। 216 रन के बड़े टारगेट का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 20 ओवर में ऑल आउट होकर 161 रन ही बना पाई।

व्यापार

पाकिस्तान ने डायल कर दिया है गलत नंबर... घुटनों पर ला देंगे, तरक्की में फर्क समझा कसिने दी चेतावनी

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया जाएगा ताकि वह फिर कभी ऐसी घिनौनी हरकत करने की सोच भी न सके। पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ऐसा देश है जो लगातार कमजोर होता जा रहा है। वह समय-समय पर आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति के तौर पर इस्तेमाल करता है। उन्होंने ये बातें मोहाली में एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव और भारत की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में भी बात की। दोनों देशों के बीच आर्थिक तरक्की का फर्क भी समझाया। उन्होंने बताया कि आज जो पाकिस्तान का हाल है, वह आतंकवाद को पालने-पोसने की वजह से है। पुरी ने एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर विश्वास करें तो हम कुछ ही महीनों में चौथी सबसे

बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। 2027 या 2028 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पुरी ने कहा, 'आर्थिक विकास के लिए क्या जरूरी है। इसके लिए अनुकूल वातावरण की जरूरत है। कुछ राज्य अधिक सफल क्यों हैं क्योंकि वहां कानून- व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है और वे उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल वातावरण मुहैया कराते हैं।' पुरी ने 1947 में विभाजन का जिक्र करते हुए कहा, 'जब हम एक स्वतंत्र राष्ट्र बने तो ये (भारत और पाकिस्तान) एक ही मां की कोख से जन्मे दो देश थे। एक ओर हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं जबकि दूसरी ओर दूसरा देश सीमा पार आतंकवाद और आतंक को सरकार की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करने में विश्वास करता है।' पुरी ने कहा कि पहलगाम हमला एक घिनौनी हरकत है। सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत ने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया है। साथ ही, 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। अटारी सीमा चौकी को भी तुरंत बंद कर दिया है। भारत ने ये कदम पहलगाम हमले में सीमा पार से संबंधों के आरोपों के बाद उठाए हैं। हरदीप सिंह पुरी ने कहा, 'पाकिस्तान अब गलत लोगों से टकरा गया है। मुझे लगता है कि इस बार उन्होंने गलत अनुमान लगाया है। उन्होंने गलत नंबर डायल कर दिया क्योंकि हमारा नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। पीएम मोदी ने बिहार से कहा था- बहुत हो गया, अब उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।' सिंधु जल संधि के निलंबन पर पुरी ने कहा कि भारत ने पहली बार ऐसा कदम उठाया है। इससे पाकिस्तान को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि ये अटकलें लगाने का समय है कि कौन-कौन से विकल्प इस्तेमाल किए जाएंगे। लेकिन, मुझे लगता है कि पाकिस्तान कमजोर हो रहा है। उसे घुटनों पर ला दिया जाएगा ताकि वह फिर कभी ऐसी घिनौनी हरकत करने की सोच भी ना सके।' उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद सबसे बुनियादी मानवाधिकार - जीने का अधिकार - छीन लेता है।

सरकार ने हथियार खरीदने के लिए क्या बैंक खाता खोला है भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच इस मैसेज का सच

एजेंसी नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन बढ़ गई है। इस बीच व्हाट्सएप पर एक मैसेज वायरल हो रहा है। इस मैसेज में दावा किया जा रहा है कि सरकार ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिए एक बैंक खाता खोला है। PIBFactCheck ने इस दावे को गलत बताया है। मैसेज में दिए गए बैंक खाते का इस्तेमाल सेना के आधुनिकीकरण या हथियार खरीदने के लिए नहीं किया जा रहा है। तेजी से फॉरवर्ड किए जा रहे मैसेज में दावा किया गया है कि मोदी सरकार ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और युद्ध क्षेत्र में घायल या शहीद हुए सैनिकों के लिए एक बैंक खाता खोला है। इसमें यह भी कहा गया है कि प्रत्येक भारतीय अपनी इच्छा से इस खाते में कितनी भी राशि दान कर सकता है। इसकी शुरुआत 1 रुपये से होती है। मैसेज में यह भी दावा किया गया

है कि यह पैसा हथियार और सैन्य उपकरण खरीदने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें लोगों से इस अभियान में शामिल होने और सीधे सेना की मदद करने का आग्रह किया गया है। मैसेज में दावा किया गया है कि मोदी सरकार ने सुपरस्टार अक्षय कुमार के सुझाव पर भारतीय सेना के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मैसेज में यह भी कहा गया है कि अगर 70% भारतीय आबादी इस फंड में रोजाना सिर्फ 1 रुपये का दान करती है तो 30 दिनों में 36000 करोड़ रुपये और एक साल में 4 लाख 36 हजार करोड़ रुपये जमा हो सकते हैं। इसकी तुलना पाकिस्तान के रक्षा बजट से करते हुए कहा गया है कि यह उससे कई गुना अधिक होगा और भारत निश्चित रूप से एक महाशक्ति बन जाएगा। अंत में इसमें दान करने के लिए बैंक खाते की जानकारी दी गई है। इसमें बैंक का नाम, खाते का नाम, खाता संख्या, आईएफएससी कोड और शाखा का पता शामिल है। पीआईबी फैक्ट चेक इकाई ने इस दावे को भ्रामक बताया है।

खतरों की `तिकड़ी' खड़ी है सामने, पाकिस्तान के अलावा ये कौन बढ़ा रहा है भारत की टेंशन

कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के शेयर बाजार में उथल-पुथल मचने की आशंका है। बीते हफ्ते बाजार में 0.8% की बढ़त देखी गई। बीएसई सेंसेक्स 659.33 अंक यानी 0.83 फीसदी चढ़ा। वहीं, एनएसई निफ्टी 187.7 अंक यानी 0.78 फीसदी बढ़ने में कामयाब रहा। यह बढ़त IT, फार्मा और ऑटो कंपनियों के शेयरों के कारण हुई। लेकिन, शुक्रवार को बाजार में गिरावट आई। दोनों प्रमुख सूचकांक टूटकर बंद हुए। इससे पहले दो दिनों से बाजार में तेजी थी। सोमवार को जब बाजार खुलेगा तो निवेशकों की निगाहें भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर टिकी रहेंगी। 2019 में हुए हमले की तरह इस बार भी ऐक्शन की मांग उठ रही है। इससे निवेशकों में डर का माहौल है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से बाजार में अनिश्चितता बनी रहेगी। इसके अलावा टेंशन में डालने वाले दो और प्रमुख फैक्टर हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की गतिविधियां और कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते बेंचमार्क इंडेक्स में 0.8% की तेजी आई। IT, फार्मा और ऑटो शेयरों ने बाजार को ऊपर उठाने में मदद की। लेकिन, शुक्रवार को बाजार का मूड बदल गया। निफ्टी में 0.86% की गिरावट आई और यह 24,039.35 पर बंद हुआ। कश्मीर में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। कई लोग 2019 की तरह सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इससे निवेशकों में डर का माहौल है। परमाणु हथियारों से लैस दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से स्थिति और खराब हो सकती है। पिछले दो हफ्तों में एफआईआई ने भारतीय बाजार में खूब निवेश किया था। इस साल उन्होंने 1.22 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। लेकिन, बाद में उन्होंने 32,466 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसकी वजह अमेरिकी डॉलर में कमजोरी, ग्लोबल टैरिफ में कमी और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच स्थिरता की तलाश थी। हालांकि, शुक्रवार को एफआईआई फिर से बिकवाल बन गए। उन्होंने 2,952 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 3,539 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अप्रैल में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में एफआईआई का रुख तय करेगा कि भारत में तीन महीने से जारी बिकवाली का सिलसिला टूटेगा या नहीं।

सीता नवमी का महत्व पूजा विधि और क्यों मनाया जाता है यह पर्व

हिंदू धर्म में सीता नवमी का खास महत्व होता है। यह त्योहार हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन व्रत रखने और माता सीता की विशेष पूजा करने का खास महत्व होता है। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर माता सीता का जन्म हुआ था। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल यह तिथि कब पड़ रही है और इस दिन पूजा करने की सही विधि क्या है। साथ ही, विस्तार से जानें कि सीता नवमी का त्योहार क्यों मनाया जाता है और इसका क्या महत्व है। इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 मई, सोमवार को सुबह 7 बजकर 36 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 6 मई को सुबह 8 बजकर 39 मिनट तक रहेगी। माता सीता का जन्म वैशाख शुक्ल नवमी, मंगलवार, पुष्य-नक्षत्र, कालीन तथा मध्याह्न के समय हुआ था क्योंकि, 6 मई के दिन यह मध्याह्न व्यापिनी नहीं है। ऐसे में 5 मई के दिन ही सीता नवमी मनाई जाएगी और इसी दिन व्रत भी रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 5 मई, सोमवार को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि सुबह 7 बजकर 36 मिनट से शुरू हो रही है। ऐसे में इसी समय से माता सीता की पूजा की जा सकती है। लेकिन नवमी तिथि को मध्याह्न के समय देवी सीता का जन्म हुआ था। ऐसे में इस दिन अभिजीत मुहूर्त के समय पूजा करना अत्यंत शुभ रहेगा। यह मुहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर के 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इस दिन अमृत काल दोपहर में 12 बजकर 20 मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इस दौरान माता सीता की पूजा करना सबसे श्रेष्ठ रहेगा और फलदायी साबित होगा। जो लोग इस दिन व्रत रखते हैं उन्हें सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाना चाहिए। इसके बाद, स्नान करके साफ वस्त्र धारण करें और व्रत व पूजा का संकल्प लें। अब एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर माता सीता और श्रीराम जी की तस्वीर स्थापित करें। अब पूरे स्थान पर गंगाजल का छिड़काव करके माता सीता का श्रृंगार करें उन्हें सुहाग की चीजें चढ़ाएं। इसके बाद, माता सीता को फूल-माला, चावल, रोली, धूप, दीप, फल, मिठाई आदि अर्पित करें। अब माता सीता की आरती करने के लिए तिल के तेल या शुद्ध घी का दीया प्रज्वलित करें। दीपक जलाने के बाद माता सीता के मंत्रों का 108 बार जाप करें और सीता चालीसा का भी पाठ करें। इसके बाद, शाम के समय भी माता सीता की आरती उतारें। इस तरह माता सीता की पूजा करने से व्यक्ति को अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि वैशाख शुक्ल नवमी, मंगलवार, पुष्य नक्षत्र कालीन तथा मध्याह्न के समय माता सीता का जन्म हुआ था। ऐसे में हर वर्ष वैशाख माह शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर सीता नवमी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महाराज जनक संतान प्राप्ति के लिए यज्ञ की भूमि को तैयार करने में लगे थे और हल से जमीन जोत रहे थे। उसी समय धरती के गर्भ से सीता जी मनुष्य के रूप में प्रकट हुई थीं। यही कारण है कि सीता नवमी के दिन माता सीता का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

पहलगाम अटैक और नास्त्रेदमस की ये भविष्यवाणी, भारत पाकिस्तान तनाव और तीसरा विश्वयुद्ध

पहलगाम आतंकी हमले के बादफ्रांस के भविष्यवक्ता और लेखक नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों पर चर्च हो रही है। उन्होंने कई भविष्यवाणियां की हैं, जिन्हें दुनियाभर में गंभीरता से लिया जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में इस कदर बातें लिखीं कि इन्हें वैश्विक घटनाक्रमों से जोड़ा जा सकता है। रहस्यमयी और गूढ़ भाषा में लिखी गईं उनकी भविष्यवाणियों के अलग-अलग अर्थ निकाले जाते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद नास्त्रेदमस एक बार फिर चर्चा में है, क्योंकि उन्होंने तीसरे विश्वयुद्ध को लेकर ऐसी भविष्यवाणी की है, जिसे लोग मौजूदा हालात से जोड़ रहे हैं। दरअसल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। भारत ने सिंधु जल समझौता निलंबित करने का फैसला किया है, जबकि इसके जवाब में पाकिस्तान की तरफ से गीदड़भभकी दी गई कि अगर पानी नहीं बहा तो खून बहेगा। तनाव की स्थिति ऐसी है कि संयुक्त राष्ट्र की तरफ से दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की गई है, लेकिन भारत में आतंकी हमले को लेकर काफी रोष है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद दुनिया को संदेश दे चुके हैं कि आतंकवादियों और उनके आकाओं को कल्पना से परे सजा दी जाएगी। ऐसे में पहले से रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जंग जैसे हालातों की गवाह बनी दुनिया के सामने एक और युद्ध मुहाने पर है। जानकार मानते हैं कि अगर युद्ध हुआ तो दुनिया द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद फिर से दो धड़ों में बंट सकती है। आशंका तो यह भी जताई जा रही है कि क्या यह तीसरे विश्वयुद्ध की आहट है? मौजूदा हालातों को नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों के नजरिये से देखें तो उन्होंने कहा था कि 2012 से 2025 के बीच तीसरे महायुद्ध के हालात बन सकते हैं। इसमें कहा गया है कि अनीश्वरवादियों और ईश्वरवादियों के बीच संघर्ष होगा और एक मुक्तिदाता शांतिदूत बनकर आएगा। वह यूरोप नहीं, बल्कि एशिया में होगा। वह तीन ओर से घिरे समुद्र क्षेत्र में जन्म लेगा और अपनी सत्ता व शक्ति के दम पर अद्वितीय रूप से शक्तिशाली होगा। इसे मौजूदा संदर्भ में देखें तो कई जानकार इसे भारत से जोड़ते हैं, क्योंकि भारत तीन ओर से घिरा हुआ है। यही नहीं नास्त्रेदमस ने कहा है कि पांच नदियों के लिए प्रख्यात द्वीपीय राष्ट्र में महान राजनेता का जन्म होगा जो शत्रु के उन्माद को हवा के जरिए खत्म करेगा। इसे भारत के नजरिये से देखें तो पंजाब में सिंधु नदी के किनारे सतलुज, व्यास, झेलम, चिनाब और रावी का संगम बनता है और मौजूदा हालात में सिंधु जल समझौता सुर्खियों में है। वहीं फ्रांस के मशहूर स्तंभकार फ्रैंकोइस गॉटियर के मुताबिक, नास्त्रेदमस ने भारत को लेकर भविष्यवाणी 450 पहले ही कर दी थी कि उसका नेतृत्व 2014 से 2026 तक एक ऐसा व्यक्ति करेगा, जिससे लोग शुरुआत में नफरत करेंगे और बाद में उसे जनता इतना प्यार देगी कि वह लंबे समय तक भारत का प्रधानमंत्री रहेगा। फ्रैंकोइस ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़ा था।

बेटी से भूलकर भी न कराएं ये काम, मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज और दरिद्रता नहीं छोड़ेगी पीछा

बेटियां अक्सर अपने परिवार की मदद करने के लिए उनका घर और बाहर के काम करवाने हाट बटाती रहती हैं। लेकिन ऐसा माना जाता है कि ऐसे कुछ काम होते हैं, जिन्हें अपनी बेटी से कराना शुभ नहीं होता है। ऐसा करने से जीवन से खुशहाली जा सकती है और घर में दरिद्रता आ सकती है। साथ ही, इससे जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इसे लेकर ज्योतिषशास्त्र में क्या मान्यताएं हैं और माता-पिता को अपनी पुत्री से कौन-कौन से कार्य नहीं करवाने चाहिए। माना जाता है कि माता-पिता को अपनी पुत्री से भूलकर भी पैर नहीं दबवाने चाहिए। महिलाओं को लक्ष्मी का रूप माना गया है। ऐसे में अगर आप अपने घर की कन्या से पैर दबवाते हैं, तो इससे धन की देवी मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और जीवन में दुखों का सामना करना पड़ सकता है। माता-पिता के साथ-साथ भाई को भी अपने पैर बहन से दबवाने या स्पर्श नहीं कराने चाहिए। ऐसा करने से जीवन में अशुभ परिणामों का सामना करना पड़ सकता है और घर में कई समस्याएं आ सकती हैं। कई बार जब घर पर कोई पैसे उधार मांगने आता है, तो माता-पिता अपनी पुत्री को पैसे देकर उसे उधार देने के लिए भेज सकते हैं। माना जाता है कि ऐसी गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके घर-परिवार में समस्याएं आ सकती हैं और पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप बेटी के हाथ से किसी को उधार दिलवाते हैं, तो इससे घर में दरिद्रता आ सकती है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों की आर्थिक स्थिति भी खराब हो सकती है और घर में पैसा टिकना बंद होने लगता है। यही कारण है कि बेटी के हाथ से उधार दिलवाना अच्छा नहीं माना जाता है। आज के समय में लड़कियां भी जॉब और बिजनेस करने लगी हैं। इनसे कमाया हुआ पैसा वे अपने घरवालों को भी देती हैं। लेकिन ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि बेटी का पैसा घर में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप अपनी पुत्री के पैसे लेते भी हैं, तो उन्हें जमा करके उन्हीं से जुड़े कार्यों में लगा सकते हैं। ऐसा करना अच्छा माना जाता है। इस बात का वर्णन विष्णु पुराण में भी किया गया है। ऐसी मान्यता है कि पुत्री के पैसे लेकर उसे घर में इस्तेमाल करना शुभ नहीं होता है।माना जाता है कि अपनी बेटी के हाथों से किसी भिखारी को दान भी नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर में दरिद्रता आ सकती है और जीवन में नकारात्मकता भी आ सकती है। ज्योतिष शास्त्र में बेटी के हाथों से भिखारी को दान दिलवाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा करने से घर के सदस्यों को पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है और जीवन से खुशहाली जाने लगती है। इसके अलावा, ऐसी भी मान्यता है कि पिता को अपनी बेटी के बाल नहीं पकड़ने चाहिए। कहा जाता है कि परिवार के किसी भी पुरुष को घर की पुत्री के केश नहीं पकड़ने चाहिए। ऐसा करना अच्छा नहीं माना गया है।

आर्थिक राशिफल : शशि आदित्य योग में इन 5 राशियों के हाथ लगेगी बड़ी सफलता, कार्यक्षेत्र में पाएंगे सम्मान

मेष राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा और आपको जमीन-जायदाद के मामले में डील करने से फायदा होगा। आपको पैसों के मामले में बड़ा लाभ होगा। भाग्य आपका साथ देगा और पिता के आशीर्वाद से ऑफिस में लाभ होगा। परिवार द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना है और शाम के वक्त आपके घर के लोगों को कुछ परेशानी हो सकती है। देर रात तक सब ठीक हो जाएगा और आपको धन के मामले में लाभ होगा।

वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में आपको धन लाभ भरपूर होगा। कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी। आप निडर रहेंगे और हर काम में सफलता मिलेगी। आप अपने काम को पूरा करने में सक्षम रहेंगे और आपको हर काम में अपने परिवार के लोगों का सहयोग हासिल होगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और आप मिलकर कुछ नया कर सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को हर काम सावधानी से करने की सलाह है। आप विवादों से दूर रहें और अपने काम पर ध्यान दें। ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे और किसी प्रकार के फालतू खर्च से बचने की सलाह है। किसी से भी बेकार की बातें न करें और अगर आपका कहीं पैसा रुका हुआ है तो वह मिल सकता है। अपनी बुद्धि से लिए गए फैसले फायदेमंद रहेंगे और आपको शाम से रात तक भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क राशि वालों का दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी। हालांकि कार्यक्षेत्र में आपको परेशानी हो सकती है और मनचाहा सहयोग नहीं मिलेगा। गंभीर रहें और कड़ी मेहनत करें, तभी सफलता मिलेगी। आपका कुछ धन भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च अधिक होगा और आपको लाभ होने से काफी खुशी का अनुभव होगा। अपने खुशमिजाज स्वभाव के कारण लोग आपको पसंद करेंगे और आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

सिंह राशि वालों के लिए दिन करियर में लाभ और सफलता से भरा होगा और आपको नए काम को पूरा करने में खुशी का अनुभव होगा। आपका ज्यादातर समय धार्मिक कार्य में बीतेगा और आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। आत्मविश्वास से किए गए प्रयास सफल होंगे और आपको लाभ होगा। पुराने रुके हुए काम थोड़ा खर्च करने से बन सकते हैं। आपको ध्यान देने की जरूरत है और नई योजनाओं पर काम शुरू करने से आपको लाभ होगा।

कन्या राशि वालों के लिए दिन भाग्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा और आपकी आर्थिक परेशानियां दूर होंगी और भाग्य आपका साथ देगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं और भतीजे से सहयोग मिलने की संभावना है और कारोबार में आपको मनचाहा लाभ होगा। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे आपको हर काम में सफलता मिलेगी। आपके मान सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

तुला राशि वालों के लिए दिन लाभ और सफलता से भरा होगा और आपको शिक्षा के क्षेत्र में धन लाभ होने से खुशी होगी। शिक्षा में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपको सफलता मिलेगी। मनचाहा लाभ होगा और आपको कुछ नई चीजें भी सीखने को मिलेंगी। आप नई चीजें सीखने में सफल रहेंगे। आप अपनी बातों को सच साबित करने में सफल रहेंगे और माता-पिता व गुरु के प्रति सम्मान रखने से आपको लाभ होगा। शाम को गाड़ी चलाते समय सावधान रहें और आपको चोट लगने की आशंका है।

वृश्चिक राशि वालों को करियर में लाभ होने की संभावना है और आपका आमदनी से ज्यादा खर्च होगा। संतान के अच्छे कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आपको मनचाहा लाभ होने के योग हैं। अपने धैर्य और प्रतिभा से शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। शाम से रात तक प्रियजनों के दर्शन से मन प्रसन्न रहेगा और आपको घूमने-फिरने और मौज-मस्ती में समय बिताएंगे।

धनु राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छाएं पूरी होंगी और ऑफिस में आपको ऑफिस में आपको सम्मान मिलेगा। शाम को धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और आपको धन लाभ होगा। शुभ कार्यों से आपकी कीर्ति बढ़ेगी और आपका दिन लाभ से भरा होगा। आपके द्वारा किए जाने वाले हर कार्य में भाग्य आपका साथ देगा।

मकर राशि अचल संपत्ति में किया गया निवेश आपके लिए लाभदायक होने वाला है। कारोबार में आपको किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से लाभ होगा। माता की तरफ से कल आपको भवन या वाहन का सुख प्राप्त हो सकता है। ननिहाल पक्ष की तरफ से कल आपको उपहार भी मिल सकता है। माता की सेहत में चली आ रही परेशानियों में कल कुछ आराम हो सकता है। परिवार में कल अनुकूल माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ रोमांच बना रहेगा।

मीन राशि वालों के लिए किस्मत मेहरबान रहेगी। रियल एस्टेट से जुडे जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। वाणी में मधुरता रहेगी और इसका आपको लाभ भी मिलेगा। थोड़ी चतुराई काम आएगी। पड़ोसियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। जरूरतमंदों को दान करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को कल कहीं से उम्मीद की किरण दिख सकती है। पढ़ाई में मन लगेगा। परिवार में कल मस्तीभरा माहौल रहेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। घर पर किसी जानकार का आगमन हो सकता है।

अमावसु नाम के पितर से जुड़ी है अमावस्या की कथा, इस दिन पितरों के लिए धूप-ध्यान करें और दान-पुण्य करें

हिन्दी पंचांग के अनुसार, एक महीने में दो पक्ष होते हैं — कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष। कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि को अमावस्या कहा जाता है। आज (27 अप्रैल) वैशाख अमावस्या (सतुवाई) है। अमावस्या तिथि पर पितरों के लिए धूप-ध्यान और दान-पुण्य करने का महत्व है। इस दिन जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता, खाना और धन का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आज सत्तु का दान करने की परंपरा है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के अनुसार, शास्त्रों में अमावस्या से जुड़ी एक कथा है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में एक कन्या ने पितरों को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उसकी तपस्या से पितर देवता प्रसन्न होकर प्रकट हुए। उस दिन कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि थी। पितरों में से एक सुंदर और आकर्षक पितर का नाम अमावसु था। जब कन्या ने अमावसु को देखा तो वह उन पर मोहित हो गई और वरदान स्वरूप उनसे विवाह करने की इच्छा व्यक्त की। हालांकि, अमावसु

ने विवाह करने से इंकार कर दिया। कन्या ने उन्हें मनाने का प्रयास किया, लेकिन अमावसु अपने निर्णय पर अडिग रहे। अमावसु के इस संयम से अन्य सभी पितर अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने अमावसु को आशीर्वाद दिया कि भविष्य में कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि अमावसु के नाम पर अमावस्या कहलाएगी। तभी से हर माह की इस तिथि को अमावस्या कहा जाने लगा। शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का जिक्र है। इन कलाओं में सोलहवीं कला को 'अमा' कहा गया है। अमावस्या के दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों एक ही राशि में स्थित होते हैं। एक श्लोक के अनुसारः

"अमा षोडशभागेन देवि प्रोक्ता महाकला।
संस्थिता परमा माया देहिनां देहधारिणी।।"

अर्थात, अमा चंद्रमा की महाकला है, जिसमें चंद्र की सभी कलाओं की शक्तियां समाहित होती हैं। इस कला का न तो क्षय होता है और न उदय, अतः यह शाश्वत मानी जाती है।

बैतूल में परशुराम जयंती पर नहीं निकलेगी शोभायात्रा दो दिन सिर्फ सेवा कार्य और पूजा-पाठ होंगे पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लिया निर्णय

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में सर्व ब्राह्मण समाज और परशुराम सेना ने इस वर्ष परशुराम जयंती की शोभायात्रा को स्थगित करने का फैसला किया है। पहलगाम में हुई आतंकी घटना के विरोध में यह निर्णय लिया गया है। इसके इतर परशुराम जन्मोत्सव पर 29 और 30 अप्रैल को अलग-अलग सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगेगा। इसी दिन भोजनशाला में भोजन वितरण और शाम 4 बजे शनि मंदिर गंज में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम होगा। अंकुरित आहार वितरण किया जाएगा 30 अप्रैल को सुबह 8 बजे जिला अस्पताल में अंकुरित आहार वितरण किया जाएगा। सुबह 9 बजे दत्त मंदिर सिविल लाइंस में पूजन होगा। शाम 6 बजे शनि मंदिर गंज में पूजन और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा गया है।श्रद्धांजलि सभा में पंडित कांतु दीक्षित, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नरेन्द्र शुक्ला, प्रमोद शर्मा, ब्रजकिशोर पांडे,मयंक भार्गव,सुनील द्विवेदी,संजय शुक्ल समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समाज ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष किसी भी तरह की हर्षोल्लास वाली गतिविधियां नहीं की जाएंगी।

बैतूल जेल अधीक्षक पर प्रताड़ना का आरोप जांच को लेकर ADM पर उठे सवाल कहा- जांच जारी, सभी के पक्ष सुने जाएंगे

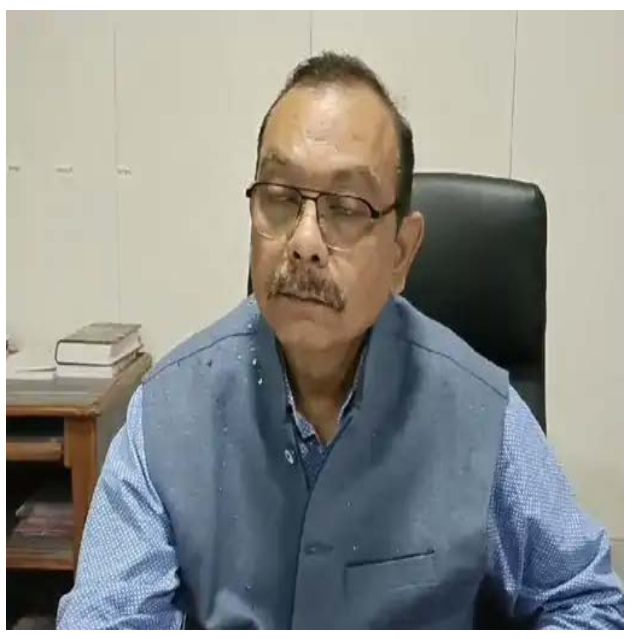

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जेल अधीक्षक योगेन्द्र तिवारी के खिलाफ कर्मचारियों की ने शिकायत की। इसकी जांच कर रहे बैतूल एडीएम पर भी शिकायतकर्ताओं से संपर्क न करने का आरोप है। हालाकि उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है जानकारी के अनुसार जिला जेल अधीक्षक योगेन्द्र कुमार तिवारी के खिलाफ शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की शिकायत पिछले दिन बैतूल कलेक्टर से की गई थी। जिसमें जेल के 45 में से 32 कर्मचारियों के हस्ताक्षर थे। कलेक्टर ने इस मामले में एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव को जांच सौंपी थी। वे जांच के लिए जेल भी गए लेकिन उन्होंने पीड़ित कर्मचारियों का पक्ष नहीं सुना। इस मामले में शिकायतकर्ता कर्मचारियों ने एडीएम को एक पत्र सौंपकर कहा कि आप जिला जेल बैतूल पर जांच के लिए आए थे। लेकिन इस जांच की सूचना किसी भी कर्मचारी को नहीं दी गई। ड्यूटी पर तैनात किसी भी कर्मचारी के बयान भी दर्ज नहीं किए गए । यहां तक कि ड्यूटी दौरान उपस्थित हुये कर्मचारियों को गेट (जेल गेट) के अन्दर प्रवेश भी नहीं दिया गया। इसलिए जांच के सबंध में तिथि निर्धारित कर, पूर्व सूचना देकर सभी हम सभी के बयान लिए जाए। इस पत्र में 18 कर्मचारियों के हस्ताक्षर है। इस मामले में एडीएम ने कहा कि उन्होंने अभी जांच शुरू ही की है। वे इस मामले में उन सभी कर्मचारियों का पक्ष सुनेंगे जिन्होंने शिकायत की है।

मुलताई में पाकिस्तान का झंडा सड़क पर लगाकर विरोध जताया बस स्टैंड पर कैंडल मार्च निकालकर पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई और आसपास के क्षेत्रों में पहलगाम आतंकी हमले का विरोध तेज हो गया है। स्थानीय नागरिक रोजाना कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बस स्टैंड क्षेत्र में युवाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान का झंडा सड़क पर चिपकाया। लोगों और वाहनों को इससे गुजरने दिया। इस तरह आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान के प्रति विरोध जताया। बस स्टैंड क्षेत्र के युवा नेता रॉबिन सिंह परिहार ने कहा कि सभी देशवासियों को मिलकर इस कायराना हमले का विरोध करना चाहिए। उन्होंने लोगों से इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। कैंडल मार्च में स्थानीय नागरिक, व्यापारी, छात्र और समाजसेवी संगठन शामिल हुए। सभी ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। 'भारत माता की जय' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। स्थानीय लोगों में एकजुटता दिख रही है। वे शहीदों के सम्मान में हो रहे कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

बस ने बाइकर्स को 20-फीट घसीटा, 2 के पैर कटे तीसरे की भी हालत गंभीर ड्राइवर बस लेकर फरार, मुलताई के मासोद में हुआ हादसा

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई के मासोद में श्मशान घाट के पास अंधे मोड़ पर तेज रफ्तार बस ने सामने से बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मारते हुए दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। बस बाइक सवारों को करीब 20 फीट तक घसीटती हुई ले गई। हादसे में दो युवकों के पैर कटकर अलग हो गए, वहीं तीसरा युवक भी गंभीर रूप से घायल है। घटना रविवार दोपहर 1 बजे की है। हादसे के बाद बस ड्राइवर फरार हो गया। टेसका गांव निवासी अरुण आहाके (28), चकोरा गांव निवासी कमलेश धुर्वे (29) और ईश्वर सिंह (30) एक बाइक से कोलिया गांव में रिश्तेदार के यहां रहे थे। श्मशान घाट के पास मुलताई की ओर से आ रही बस ने इन्हें टक्कर मार दी। बाइक बस के अगले पहिए में फंस गई थी। चक्के की चपेट में आने से अरुण और कमलेश के पैर कट गए। संयोग से उसी समय मासोद में एक स्वास्थ्य शिविर लगा हुआ था। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर भी इसमें शामिल होने के लिए मासोद जा रही थीं। रास्ते में हादसा देखकर उन्होंने तत्काल इसकी सूचना थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया को दी। थाना प्रभारी भी वहीं आसपास थे। उन्होंने बिना समय गंवाए पुलिस वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अरुण और कमलेश को मुलताई के सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत को देखते हुए बैतूल जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं ईश्वर सिंह को मासोद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मुलताई अस्पताल के डॉक्टर पंचम सिंह ने बताया कि अरुण और कमलेश के सीधे पैर पूरी तरह कटकर अलग हो चुके हैं। अत्यधिक खून बहने के चलते उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

IPL मैच में सट्टेबाजी, चौके-छक्के पर लगाते थे दांव सारणी पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, मोबाइल और नकदी जब्त

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

सारणी पुलिस ने आईपीएल मैचों में अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन झारिया के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। पहले मामले में पुलिस ने सारणी के पास ग्राम वाकुड़ में हनुमान मंदिर के पास से संतोष इवने (30 वर्ष) को पंजाब बनाम कोलकाता मैच में सट्टा लगाते पकड़ा गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन, हिसाब की पर्ची और 2000 रुपए नकद जब्त किए गए। दूसरी कार्रवाई में मोरडोंगरी रोड से रामभरोसे भोरसे (28 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से वीवो मोबाइल, डायरी और 900 रुपए नकद मिले। तीसरे मामले में आजाद नगर पाथाखेड़ा से सुजल बाबरिया (21 वर्ष) को चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच पर सट्टा लगाते पकड़ा गया। उसके पास से रियलमी मोबाइल, डायरी और 2000 रुपए बरामद हुए। बताया जा रहा है कि आरोपी आईपीएल मैचों में लगने वाले चौकों-छक्कों पर भी दांव लगाते थे। आईपीएल के शुरू होने के बाद पूरे जिले में यह सटोरियों के खिलाफ पहली कार्रवाई है। जिले भर से इन मैचों में दांव लगाने की खबरें तो आ रही थी, लेकिन इस पर कार्रवाई नहीं हो सकी थी। तीनों आरोपियों के खिलाफ सट्टा एक्ट की धारा 4(क) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जयपाल इनवाती, उपनिरीक्षक आशीष कुमरे, वंशज श्रीवास्तव और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम शामिल थी।

शराबबंदी वाले शहर में अवैध बिक्री जारी ढाबे से शराब जब्त, नपा अध्यक्ष ने एसपी से शिकायत की

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

शराबबंदी के बावजूद नगर में अवैध शराब बिक्री का मामला सामने आया है। वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में टीम ने कामत रोड स्थित साहू ढाबे से देसी शराब जब्त की। ढाबा संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने नगर के अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई स्थानों से शराब हटा ली गई। थाना प्रभारी ने कहा कि नगर में अवैध शराब बिक्री नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अवैध बिक्री की सूचना देने की अपील की है। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने इस मामले में नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश पर शराब दुकानें बंद की गई हैं। फिर भी नगर में जगह-जगह अवैध बिक्री हो रही है। उन्होंने आबकारी पुलिस पर उचित कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। नपा अध्यक्ष ने एसपी और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत कर पूर्ण शराबबंदी की मांग की है। नगर मैं जगह-जगह अवैध अहाते बनाकर लोगों को बिठाकर शराब पिलाई जा रही है। हालत यह है कि छोटे-छोटे ढाबों पर लोग बैठकर खुलेआम शराब पी रहे हैं। वहीं शराब ठेकेदार खुलेआम मुलताई में आकर शराब की सप्लाई कर रहे हैं। ऐसे में इन शराब ठेकेदारों पर पुलिस को कार्रवाई करने की आवश्यकता है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया का कहना है कि शराब की सप्लाई करने वाले ठेकेदारों पर भी अब कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा आमला नगर मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित15 पदाधिकारियों समेत 47 सदस्यों की टीम महिला कार्यकर्ताओं को भी मिली जगह

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में भाजपा आमला नगर मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख ने संगठन प्रभारियों और जिला नेतृत्व की सहमति से टीम की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में छह उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, छह मंत्री और एक कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उपाध्यक्ष पद पर हेमंत गुगनानी, नितीन देशमुख, गीता ढोलेकर, शैलेन्द्र राठौर, गोपेन्द्र सिंह बघेल और दुष्यंत ढोमने को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री के रूप में प्रदीप ठाकुर और राजेश पंडोले को चुना गया है। भोलाराम वर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गय मंत्री पद पर गीता वर्मा, सपना सोनी, श्रद्धा मालवीय, प्रेमलता माथनकर, भददू बोखारे और भरत पंवार को नियुक्त किया गया है। भोलाराम वर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी में 47 सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें संजय जैन, लीलाधर साबले, दिनेश बारस्कर समेत कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हैं। नई टीम में महिला कार्यकर्ताओं को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया गया है।

बैतूल में दो लोगों ने जहर खाकर की आत्महत्या 26 साल के युवक और 45 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में मौत

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

दो अलग अलग मामलों में आज एक अधेड़ और एक युवक की जहर खाने के बाद जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों में एक हरदा जिले का युवक है, जबकि दूसरा बोरी का रहने वाला है। पुलिस दोनों मृतकों के पीएम करवा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बैतूल गंज थाना इलाके के बोरी गांव में 26 वर्षीय युवक शंकर ने शराब के नशे में जहर खा लिया। इसकी जानकारी जैसे ही परिवार वालों को मिली, वे उसे लेकर 25 अप्रैल को जिला अस्पताल पहुंचे थे। जहां आज उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि शंकर मजदूरी करता था। वह शराब पीने का आदि था। वह दो भाइयों में बड़ा था। जबकि उसकी एक बहन भी है। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। उसकी आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। इधर हरदा जिले के रहतगांव झिरना निवासी 45 वर्षीय बिसराम पिता कलीराम को जहर खाने के बाद शनिवार बैतूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां आज उसकी मौत हो गई। मृतक के रिश्तेदार राम कलम के मुताबिक बिसराम की मानसिक स्थिति कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रही थी। वह पिछले दिनों अपने घर में आग भी लगा चुका था। शनिवार उसने जहर खाया और सो गया। परिवार वाले समझे कि वह नशे में सोया हुआ है, उसे जगाने की कोशिश की गई तो उसने छोटे बेटे को बताया कि उसने जहर खा लिया है। अस्पताल पुलिस चौकी ने उसका पीएम करवाया है। मृतक के तीन बेटे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949